मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

01 जनवरी, 2020

नव वर्ष के अवसर पर मुविवि के कुलपति जी ने समयबद्धता की दिलायी शपथ

नववर्ष के अवसर पर माननीय कुलपति जी ने विश्वविद्यालय परिवार को दी शुभकामनाएं

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय परिवार को नववर्ष की शुभकामनाए दी एवं समयबद्धता की शपथ दिनायी। विश्वविद्यालय परिवार ने आज कुलपति कामेश्वर नाथ सिंह को नववर्ष की बधाई देते हुये कहा कि उनके नेतृत्व में मुक्त विश्वविद्यालय ने पिछल वर्षो में अभूतपूर्व उपलब्धि अर्जित की। प्रो0 सिंह ने कहा कि अभी बहुत कुछ करना शेष है। विश्वविद्यालय परिवार ने शुभकामना देते हुए विश्वविद्यालय के विकास में मा0 कुलपति जी के योगदान की सराहना की।

Ekkuuh; dqyifr th dks uoo"kZ dh 'kqHkdkeuk,a nsrs gq, ijh{kk fu;a=kd

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 सुधशुं त्रिपाठी तथा शिक्षक एवं कर्मचारीगण।

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कुलसचिव/ स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ला, परामर्शदाता प्रसाशन श्री आर.एस. ग्रोवर एवं प्रशासन विभाग के कर्मचारीगण।

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आशुतोष गुप्ता, शिक्षक एवं कर्मचारीगण।

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए मीडिया सेन्टर के कर्मचारीगण।

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण।

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देती हुई डॉ0 इति तिवारी

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए सम्पत्ति विभाग के

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए मानविकी विद्याशाखा के निदेशक
प्रो0 आर पी एस यादव शिक्षक एवं कर्मचारीगण।

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी.के. पाण्डेय, शिक्षक एवं कर्मचारीगण।

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 अभिषेक सिंह एवं गण्मान्य नागरिक क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारीगण।

मान्नीय कुलपति जी
को
नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए
विश्वविद्यालय पूर्व वित्त अधिकारी
श्री डी.पी. त्रिपाठी।

हिन्दुस्तान
नववर्ष की शुभकामनाएं 2020
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
बुधवार, 01 जनवरी 2020, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com

समयबद्धता की दिलाएंगे शपथ:प्रो. केएन सिंह

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने नव वर्ष के अवसर पर विवि में सभी कर्मचारियों एवं शिक्षकों को समयबद्धता की शपथ दिलाएंगे। प्रो. सिंह ने कहा कि वह नवर्ष चैत्र माह को मानते हैं। एक जनवरी को कैलेंडर के रूप में मनाते हैं। सभी लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी हैं।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

06 जनवरी, 2020

समाधान दिवस में करें छात्रों की समस्याओं का निस्तारण : कुलपति

समीक्षा बैठक करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा बैठक में उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक एवं विद्याशाखा के निदेशकगण।

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयकों एवं प्रभारी निदेशकों की समीक्षा बैठक आयोजित

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दिनांक 06 जनवरी, 2020 को विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयकों एवं प्रभारी निदेशकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

समीक्षा बैठक में प्रो0 ओमजी गुप्ता, प्रो0 पी.पी. दुबे, प्रो0 आर.पी.एस. यादव, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रो0 आशुतोष गुप्ता एवं प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी तथा 11 क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक आदि उपस्थित रहें। संचालन डॉ0 ज्ञान प्रकाश याादव ने किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 ज्ञान प्रकाश याादव एवं माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक
डॉ0 आ.बी. सिंह तथा सभागार में उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक एवं विद्याशाखा के निदेशकगण।

सभागार में उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक एवं विद्याशाखा के निदेशकगण।

क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

समाधान दिवस में करें छात्रों की समस्याओं का निस्तारण : कुलपति

समीक्षा बैठक में माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने प्रयागराज, अयोध्या, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, झॉंसी, आगरा, कानपुर, लखनऊ, गाजीयाबाद तथा मेरठ के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि तहसील दिवस के तर्ज पर अपने क्षेत्र में प्रत्येक महीने में समाधान दिवस का आयोजन करे, जिससे सम्बन्धित अध्ययन केन्द्रों के छात्रों की समस्याओं का समाधान हो सके। प्रो0 सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करने वालों में तेजी से वृद्धि हो रही है, ऐसे में बहुत से छात्र डिस्टंस एजूकेशन से से पढाई करते हुए कोचिंग सेन्टर से कम्पटीशन की तैयारी कर रहे है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अब बड़े कोचिंग सेन्टर में तैयारी करने वाले प्रतियोगी छात्रों को विश्वविद्यालय के रोजगार परक कार्यक्रमों की जानकारी देंगा, जिससे उनका बहुआयामी विकास हो सके। प्रो0 सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए शिक्षार्थी का हित सर्वोपरि है। क्षेत्रीय समन्वयकों की यह जिम्मेदारी इनती है कि वह छात्रों की समस्याओं का शीघ्रता से निस्तारण करें। उन्होंने जनवरी सत्र में हो रहे प्रवेश में तेजी लाने के लिए समन्वयकों को उपयोगी टिप्स दिये और केन्द्र तक आने वाले शिक्षार्थियों के साथ एलआईसी एजेन्ट की भॉंति व्यवहार करने की युक्ति सुझाई।

सभागार में उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक एवं विद्याशाखा के निदेशकगण।

टी.वी. ग्रस्त बच्चों के देखभाल

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं माननीया राज्यपाल उ0प्र0 श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के टी.वी. ग्रस्त बच्चों के देखभाल के आदेश के क्रम में दिनांक 06 जनवरी, 2020 को स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक, प्रो0 (डॉ0) गिरिजा शंकर शुक्ल के नाम आवंटित मरीज श्री सुशील कुमार कुशवाहा निवासी अकबरपुर बसरहरा मेजा, प्रयागराज से मुलाकात। सुशील कुमार कुशवाहा को डॉ0 शुक्ला ने टी.वी. के बचाव से सम्बन्धित जानकारी एवं सुझाव दिये। इस अवसर पर श्री सुशील कुमार कुशवाहा को फल एवं प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ दिये इसके साथ ही उच्च शिक्षा में अध्ययन हेतु प्रोत्साहन के लिए विश्वविद्यालय की विवरिका एवं बैग भी दिये।

श्री सुशील कुमार कुशवाहा को फल एवं प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ एवं उच्च शिक्षा में अध्ययन हेतु प्रोत्साहन के लिए विश्वविद्यालय की विवरिका एवं बैग भेंट करते हुए स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक, प्रो0 (डॉ0) गिरिजा शंकर शुक्ल

विचार : अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध के हालात

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 10 अंक : 318 प्रयागराज, मंगलवार 07 जनवरी 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

खेल : पहला मैच धुलने के बाद शिखर धवन पर ..

प्रदेश के सभी मुक्त विवि छात्रों के लिए करें समाधान दिवस : प्रो कामेश्वर

समाधान दिवस में करें छात्रों की समस्याओं का निस्तारण : कुलपति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सोमवार को प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केंद्रों के क्षेत्रीय समन्वयकों की समीक्षा बैठक में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि वे तहसील दिवस की तर्ज पर अपने-अपने क्षेत्र में प्रत्येक माह समाधान दिवस का आयोजन करें, जिससे संबंधित अध्ययन केंद्रों के छात्रों की समस्याओं का समाधान हो सके।

समीक्षा बैठक में प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी, आगरा, कानपुर, गाजियाबाद तथा मेरठ से आए क्षेत्रीय समन्वयकों को प्रो. सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करने वालों में तेजी से

वृद्धि हो रही है, ऐसे में बहुत से छात्र डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करते हुए कोचिंग सेंटर से कंपटीशन की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अब बड़े कोचिंग सेंटर में तैयारी करने वाले प्रतियोगी छात्रों को विश्वविद्यालय के रोजगार परक कार्यक्रमों की जानकारी देगा। जिससे उनका बहुआयामी विकास हो सके।

प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए शिक्षार्थी का हित सर्वोपरि है। क्षेत्रीय समन्वयकों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह छात्रों की समस्याओं का शीघ्रता से निस्तारण करें।

उन्होंने जनवरी सत्र में हो रहे प्रवेश में तेजी लाने के लिए समन्वयकों को उपयोगी टिप्स दिए और केंद्र तक आने वाले शिक्षार्थियों के साथ एलआईसी एजेंट की भांति व्यवहार करने की युक्ति सुझाई। संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। समीक्षा बैठक में डॉ.ओमजी गुप्त, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ. प्रेम प्रकाश दुबे, प्रो. गिरजा शंकर शुक्ल, डॉ. आशुतोष गुप्ता तथा 11 क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयक आदि उपस्थित रहे।

समाधान दिवस में करें छात्रों की समस्याओं का निस्तारण - कुलपति

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आज प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केंद्रों के क्षेत्रीय समन्वयकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी,आगरा, कानपुर, गाजियाबाद तथा मेरठ के क्षेत्रीय समन्वयकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे तहसील दिवस की तर्ज पर अपने अपने क्षेत्र में प्रत्येक महीने में समाधान दिवस का आयोजन करें, जिससे संबंधित अध्ययन केंद्रों के छात्रों की समस्याओं का समाधान हो सके। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करने वालों में तेजी से वृद्धि हो रही है, ऐसे में बहुत से छात्र डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करते हुए कोचिंग सेंटर से कंपटीशन की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अब बड़े कोचिंग सेंटर में तैयारी करने वाले प्रतियोगी छात्रों को विश्वविद्यालय के रोजगार परक कार्यक्रमों की जानकारी देगा, जिससे उनका बहुआयामी विकास हो सके। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए शिक्षार्थी का हित सर्वोपरि है। क्षेत्रीय समन्वयकों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह छात्रों की समस्याओं का शीघ्रता से निस्तारण करें। उन्होंने जनवरी सत्र में हो रहे प्रवेश में तेजी लाने के लिए समन्वयकों को उपयोगी टिप्स दिए और केंद्र तक आने वाले शिक्षार्थियों के साथ एलआईसी एजेंट की भांति व्यवहार करने की उक्ति सुझाई। समीक्षा बैठक में डॉ.ओमजी गुप्त, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ.प्रेम प्रकाश दुबे, प्रो. गिरजा शंकर शुक्ल, डॉ.,आशुतोष गुप्ता तथा 11 क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयक आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

वर्ष : 05 अंक : 17 | प्रयागराज, सोमवार, 06 जनवरी 2020 | विक्रम संवत 2076 | प्रातः संस्करण ईमेल dainikkarmath@gmail.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 1/ रूपया

समाधान दिवस में करें छात्रों की समस्याओं का निस्तारण: कुलपति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सोमवार 6 जनवरी को प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केंद्रों के क्षेत्रीय समन्वयकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी,आगरा, कानपुर, गाजियाबाद तथा मेरठ के क्षेत्रीय समन्वयकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे तहसील दिवस की तर्ज पर अपने अपने क्षेत्र में प्रत्येक महीने में समाधान दिवस का आयोजन करें, जिससे संबंधित अध्ययन केंद्रों के छात्रों की समस्याओं का समाधान हो सके। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करने वालों में तेजी से वृद्धि हो रही है, ऐसे में बहुत से छात्र डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करते हुए कोचिंग सेंटर से कंपटीशन की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अब बड़े कोचिंग सेंटर में तैयारी करने वाले प्रतियोगी छात्रों को विश्वविद्यालय के रोजगार परक कार्यक्रमों की जानकारी देगा, जिससे उनका बहुआयामी विकास हो सके। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए शिक्षार्थी का हित सर्वोपरि है। क्षेत्रीय समन्वयकों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह छात्रों की समस्याओं का शीघ्रता से निस्तारण करें। उन्होंने जनवरी सत्र में हो रहे प्रवेश में तेजी लाने के लिए समन्वयकों को उपयोगी टिप्स दिए और केंद्र तक आने वाले शिक्षार्थियों के साथ एलआईसी एजेंट की भांति व्यवहार करने की उक्ति सुझाई। समीक्षा बैठक में डॉ.ओमजी गुप्त, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ.प्रेम प्रकाश दुबे, प्रो. गिरजा शंकर शुक्ल, डॉ. ,आशुतोष गुप्ता तथा 11 क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयक आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया।

www.anandimail.in

आनंदी मेल

वर्ष-11 | अंक- 119 | (हिन्दी दैनिक) | लखनऊ, मंगलवार, 7 जनवरी 2020 | R.N.I No.UPHIN/2009/29300 | पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2 रुपए

आशा वेलफेयर फाउंडेशन ने आयोजित किया बुजुर्ग उत्सव ...2 | संविधान पर नफरती विचारधारा के हमलों का साल ...4 | अश्विन के इस टी-20 रिकॉर्ड को तोड़ने की दौड़ में बुमराह और चहल ...7

समाधान दिवस में करें छात्रों की समस्याओं का निस्तारण : कुलपति

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सोमवार 6 जनवरी को प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केंद्रों के क्षेत्रीय समन्वयकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी,आगरा, कानपुर, गाजियाबाद तथा मेरठ के क्षेत्रीय समन्वयकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे तहसील दिवस की तर्ज पर अपने अपने क्षेत्र में प्रत्येक महीने में समाधान दिवस का आयोजन करें, जिससे संबंधित अध्ययन केंद्रों के छात्रों की समस्याओं का समाधान हो सके। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करने वालों में

तेजी से वृद्धि हो रही है, ऐसे में बहुत से छात्र डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करते हुए कोचिंग सेंटर से कंपटीशन की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अब बड़े कोचिंग सेंटर में तैयारी करने वाले प्रतियोगी छात्रों को विश्वविद्यालय के रोजगार परक कार्यक्रमों की जानकारी देगा, जिससे उनका बहुआयामी विकास हो सके। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए शिक्षार्थी का हित सर्वोपरि है। क्षेत्रीय समन्वयकों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह छात्रों की समस्याओं का शीघ्रता से निस्तारण करें। उन्होंने जनवरी सत्र में हो रहे प्रवेश में तेजी लाने के लिए समन्वयकों को उपयोगी टिप्स दिए और केंद्र तक आने वाले शिक्षार्थियों के साथ एलआईसी एजेंट की भांति व्यवहार करने की उक्ति सुझाई। समीक्षा बैठक में डॉ.ओमजी गुप्त, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ.प्रेम प्रकाश दुबे, प्रो. गिरजा शंकर शुक्ल, डॉ.,आशुतोष गुप्ता तथा 11 क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयक आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया।

RNI No.-UPHIN/2012/44803

हिन्दी दैनिक

Email : harbaatftp @gmail.com

हर बात

यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़ व हरियाणा में प्रसारित

वर्ष : 08 अंक : 348 फतेहपुर, मंगलवार, 07 जनवरी 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

समाधान दिवस में करें छात्रों की समस्याओं का निस्तारण - कुलपति

हर बात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सोमवार 6 जनवरी को प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केंद्रों के क्षेत्रीय समन्वयकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी,आगरा, कानपुर, गाजियाबाद तथा मेरठ के क्षेत्रीय समन्वयकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे तहसील दिवस की तर्ज पर अपने अपने क्षेत्र में प्रत्येक महीने में समाधान दिवस का आयोजन करें, जिससे संबंधित अध्ययन केंद्रों के छात्रों की समस्याओं का समाधान हो सके। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करने वालों में तेजी से वृद्धि हो रही है, ऐसे में बहुत से छात्र डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करते हुए

कोचिंग सेंटर से कंपटीशन की तैयारी कर रहे है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अब बड़े कोचिंग सेंटर में तैयारी करने वाले प्रतियोगी छात्रों को विश्वविद्यालय के रोजगार परक कार्यक्रमों की जानकारी देगा, जिससे उनका बहुआयामी विकास हो सके। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए शिक्षार्थी का हित सर्वोपरि है। क्षेत्रीय समन्वयकों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह छात्रों की समस्याओं का शीघ्रता से निस्तारण करें। उन्होंने जनवरी सत्र में हो रहे प्रवेश में तेजी लाने के लिए समन्वयकों को उपयोगी टिप्स दिए और केंद्र तक आने वाले शिक्षार्थियों के साथ एलआईसी एजेंट की भांति व्यवहार करने की उक्ति सुझाई। समीक्षा बैठक में डॉ.ओमजी गुप्त, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ.प्रेम प्रकाश दुबे, प्रो. गिरजा शंकर शुक्ल, डॉ.,आशुतोष गुप्ता तथा 11 क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयक आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया।

अमर उजाला
प्रयागराज, मंगलवार, 7 जनवरी 2020
amarujala.com | चर्चा | बजट से पहले पीएम मोदी ने किया उद्योगपतियों के साथ मंथन...10 | उत्तर प्रदेश
अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth
amarujala.com
प्रयागराज | मंगलवार, 7 जनवरी 2020 5

मुक्त विवि के क्षेत्रीय केंद्रों में होगा समाधान दिवस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि में सोमवार को प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केंद्रों के क्षेत्रीय समन्वयकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने निर्देश जारी किए कि सभी क्षेत्रीय केंद्र तहसील दिवस की तर्ज पर अपने-अपने क्षेत्र में प्रत्येक माह समाधान दिवस का आयोजन करें इससे संबंधित क्षेत्रीय केंद्रों के छात्रों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकेगा। संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने किया।

आज
राजनाथ सिंह | विकास दर के मुकाबले नहीं बढ़ी महंगाई | शैक्षिक संस्थानों को ना बनायें राजनीतिक अखाड़ा | स्मृति ईरानी

आज महानगर
प्रयागराज, मंगलवार, ७ जनवरी, २०२० २

समाधान दिवस पर करें छात्रों की समस्याओं का निस्तारण - प्रो. सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में ११ क्षेत्रीय केंद्रों के क्षेत्रीय समन्वयकों की समीक्षा बैठक सोमवार को आयोजित की गयी। बैठक में कुलपति प्रो.कामेश्वरनाथ सिंह ने कहा कि तहसील दिवस की तर्ज पर अपने-अपने क्षेत्र में प्रत्येक माह समाधान दिवस का आयोजन करें, ताकि संबंधित अध्ययन केंद्रों के छात्रों की समस्याओं का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करने वालों में तेजी से इजाफा हो रहा है। ऐसे में बहुत से छात्र दूरस्थ शिक्षा से पढ़ाई करते हुए कोचिंग सेंटर से प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे हैं। प्रो.सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अब बड़े कोचिंग सेंटर में तैयारी करने वाले प्रतियोगी छात्रों को विश्वविद्यालय के रोजगारपरक कार्यक्रमों की जानकारी देगा, जिससे उनका बहुआयामी विकास हो सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए शिक्षार्थी का हित सर्वोपरि है। क्षेत्रीय समन्वयकों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह छात्रों की समस्याओं का शीघ्रता से निस्तारण करें। उन्होंने जनवरी सत्र में हो रहे प्रवेश में तेजी लाने के लिए समन्वयकों को उपयोगी टिप्स दिए। साथ ही केंद्र तक आने वाले शिक्षार्थियों के साथ एलआईसी एजेंट की तरह व्यवहार करने की उक्ति सुझाई। समीक्षा बैठक में डा.ओमजी गुप्त, डा.आरपीएस यादव, डा.प्रेमप्रकाश दुबे, प्रो.गिरजा शंकर शुक्ल, डा.आशुतोष गुप्त समेत ११ क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयक उपस्थित रहे। संचालन डा. ज्ञानप्रकाश यादव ने किया।

दैनिक जागरण
प्रयागराज, मंगलवार 7 जनवरी 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 20
www.jagran.com
जिला जज की कोर्ट में पेश हुए चिन्मयानंद 8 | कांग्रेस ने दिल्ली को हिंसा में झोंका : शाह 14

युवा जागरण
दैनिक जागरण 4
प्रयागराज, 7 जनवरी 2020
www.jagran.com

समाधान दिवस में छात्रों की समस्या निपटाएं

जासं, प्रयागराज : तहसील दिवस की तर्ज पर प्रत्येक माह समाधान दिवस का आयोजन करें, जिससे छात्रों की समस्याओं का समाधान हो सके। यह बातें कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहीं। सोमवार को वे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी, आगरा, कानपुर, गाजियाबाद तथा मेरठ के समन्वयक शामिल हुए।

कुलपति ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करने वालों में तेजी से वृद्धि हो रही है। ऐसे में बहुत से छात्र डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करते हुए कोचिंग सेंटर से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। अब बड़े कोचिंग सेंटर में तैयारी करने वाले प्रतियोगी छात्रों को मुक्त विवि रोजगारपरक कार्यक्रमों की जानकारी देगा। इससे उनका बहुआयामी विकास हो सकेगा। जनवरी सत्र में हो रहे प्रवेश में तेजी लाने के लिए उपयोगी टिप्स और केंद्र तक आने वाले शिक्षार्थियों के साथ एलआइसी एजेंट की भांति व्यवहार करने की नसीहत दी। संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। बैठक में डॉ. ओमजी गुप्त, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ. प्रेम प्रकाश दुबे, प्रो. गिरजा शंकर शुक्ल, डॉ. आशुतोष गुप्त उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक को संबोधित करते कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह • जागरण

मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
09 जनवरी, 2020

विद्या परिषद् की 62वीं बैठक आयोजित

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 62वीं बैठक दिनांक 09 जनवरी, 2020 को अपराह्न 02:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक

बैठक में प्रो0 बी0एन0 सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता उपनिदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री सुनील कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी
एवं
बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

प्रयागराज, शुक्रवार
10 जनवरी 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 20

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

15 देशों के राजनयिकों ने देखा नया कश्मीर 13
प्रधानमंत्री मोदी ने बजट पर की अहम बैठक 15

युवा जागरण

05 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने संबंधी अनुच्छेद 370 और उसके उपबंध 35ए को रद कर दिया था।

03 माह का इन दोनों मसलों को लेकर जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू करने वाला उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय पहला विश्वविद्यालय होगा।

मुक्त विवि में सीएए संग 370 व 35ए पर पाठ्यक्रम

गुरुदीप त्रिपाठी, प्रयागराज

सीएए और अनुच्छेद 370 और 35ए पर विश्वविद्यालय ने तीन माह की अवधि का जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू किया है। एकेडमिक काउंसिल की बैठक में गुरुवार को सर्वसम्मति से मंजूरी मिल गई है। छात्र-छात्राएं शुक्रवार से इन पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकेंगे।

– प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय।

कवायद

- एकेडमिक काउंसिल की बैठक में सदस्यों ने प्रस्ताव पर लगाई मुहर
- शुक्रवार से दोनों पाठ्यक्रमों के लिए छात्र-छात्राएं करा सकते हैं दाखिला

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू करेगा। साथ ही छात्र-छात्राओं को घाटी की आजादी का पाठ भी पढ़ाया जाएगा। इन दोनों पाठ्यक्रमों को गुरुवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में सर्वसम्मति से हरी झंडी मिल गई है।

केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने संबंधी अनुच्छेद 370 और उसके उपबंध 35ए को रद कर दिया था। इन दोनों मसलों को लेकर तीन माह का जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू करने वाला उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय पहला विश्वविद्यालय होगा। इसके लिए प्रस्ताव बनाया गया और उसे गुरुवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में रखा गया, जिस पर गुरुवार को सदस्यों ने सर्वसम्मति से मुहर लगाकर मंजूरी दे दी। नए शैक्षणिक सत्र यानी जनवरी 2020 से पाठ्यक्रम लागू कर दिया गया है। इन दोनों पाठ्यक्रमों के लिए शुक्रवार से छात्र-छात्राएं प्रवेश ले सकते हैं।

दोनों पाठ्यक्रमों में इंटर पास छात्र-छात्राओं को दाखिला मिल सकेगा। तीन महीने के इस पाठ्यक्रम में छात्र-छात्राओं को असाइनमेंट दिया जाएगा। कोर्स पूरा करने पर विवि की तरफ से प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

पांच भाग में सीएए और छह में 370 व 35ए : सीएए पाठ्यक्रम को पांच भागों में बांटा गया है। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि इसमें भारत में नागरिकता एवं अद्यतन संशोधन, अंतरराष्ट्रीय विधि एवं नागरिकता, प्रावधान एवं आधार, अधिनियम एवं उसकी विशेषताएं और अधिनियम का प्रभाव एवं मुद्दे छात्र-छात्राओं को पढ़ाए जाएंगे। वहीं, अनुच्छेद 370 और 35ए पाठ्यक्रम को छह हिस्सों में बांटा गया है। इसमें जम्मू कश्मीर का भौगोलिक एवं ऐतिहासिक, सामाजिक व आर्थिक परिप्रेक्ष्य, जम्मू कश्मीर का भू राजनैतिक तथा सामरिक महत्व, भारतीय स्तंभ में पूर्व में विशेष राज्य के दर्जे का स्थान तथा अनुच्छेद 370 तथा 35ए, राज्य में हिंसा और आतंकवाद, अनुच्छेद 370 का समापन एवं राज्य का जम्मू कश्मीर तथा लद्दाख नाम से दो केंद्र शासित प्रदेश का गठन और अखंड भारत के निर्माण में जम्मू-कश्मीर का पूर्ण विलय : एक महत्वपूर्ण उपलब्धि शामिल है।

प्रयागराज, शुक्रवार
10 जनवरी 2020
नगर संस्करण***
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

सोनिया की बैठक को ममता बनर्जी की न 11
2019 मेरे लिए काफी मुश्किल रहा : कुलदीप 14

मुक्त विश्वविद्यालय में सीएए संग घाटी की आजादी का पाठ

नागरिकता संशोधन कानून, अनुच्छेद 370 व 35ए पर नया पाठ्यक्रम

गुरुदीप त्रिपाठी, प्रयागराज

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर देशभर में फैले भ्रम को दूर करने के लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने नई पहल शुरू की है। विश्वविद्यालय इस कानून को लेकर अलग से जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इससे युवाओं और छात्र-छात्राओं में इस कानून को लेकर फैला भ्रम दूर होगा। इसके अलावा छात्र-छात्राओं को कश्मीर घाटी की आजादी का पाठ भी पढ़ाया जाएगा। इन दोनों पाठ्यक्रमों को गुरुवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में हरी झंडी भी मिल गई है।

सीएए को लेकर देशभर में काफी भ्रम की स्थिति है। इसके अलावा अखंड भारत की परिकल्पना को मूर्त रूप देते हुए केंद्र की भाजपा सरकार ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा संबंधी अनुच्छेद 370 और उसके उपबंध 35ए को रद कर दिया था। इन दोनों मसलों को लेकर तीन माह का जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू करने वाला उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय पहला विवि है। इसके लिए बाकायदा प्रस्ताव तैयार करके उसे गुरुवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में रखा गया। प्रस्ताव पर सदस्यों ने सर्वसम्मति से मुहर लगाकर अपनी मंजूरी दे दी। नए शैक्षणिक सत्र यानी जनवरी 2020 से पाठ्यक्रम लागू कर दिया गया है। इन दोनों पाठ्यक्रमों में शुक्रवार से प्रवेश देने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। दोनों पाठ्यक्रमों में इंटर पास छात्र-छात्राओं को दाखिला मिल सकेगा।

तीन महीने के इस पाठ्यक्रम में छात्र-छात्राओं को असाइनमेंट दिया जाएगा। कोर्स पूरा करने पर विश्वविद्यालय की तरफ से प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

पांच भाग में सीएए और छह में 370 व 35ए पाठ्यक्रम

सीएए के पाठ्यक्रम को पांच भागों में विभक्त किया गया है। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वरनाथ सिंह ने बताया कि सीएए के पाठ्यक्रम में भारत में नागरिकता एवं अद्यतन संशोधन, अंतरराष्ट्रीय विधि एवं नागरिकता, प्रावधान एवं आधार, अधिनियम एवं उसकी विशेषताएं और अधिनियम का प्रभाव एवं मुद्दे पढ़ाए जाएंगे। वहीं, अनुच्छेद 370 और 35ए पाठ्यक्रम को छह हिस्सों में बांटा गया है। इसमें जम्मू-कश्मीर का भौगोलिक एवं ऐतिहासिक, सामाजिक व आर्थिक परिप्रेक्ष्य, भू-राजनैतिक तथा सामरिक महत्व, भारतीय स्तंभ में पूर्व में विशेष राज्य के दर्जे का स्थान तथा अनुच्छेद 370 तथा 35ए, राज्य में हिंसा और आतंकवाद, अनुच्छेद 370 का समापन एवं जम्मू-कश्मीर व लद्दाख नाम से दो केंद्र शासित प्रदेश का गठन और अखंड भारत के निर्माण में जम्मू-कश्मीर का पूर्ण विलय : एक महत्वपूर्ण उपलब्धि आदि शामिल हैं।

> सीएए, अनुच्छेद 370 और 35ए पर विश्वविद्यालय ने तीन माह की अवधि का जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू किया है। एकेडमिक काउंसिल की बैठक में गुरुवार को सर्वसम्मति से मंजूरी मिल गई है। छात्र-छात्राएं शुक्रवार से इन पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकेंगे।
>
> -**प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह**, कुलपति, उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय।

मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
11 जनवरी, 2020

विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से मूल्यांकन कराने हेतु राजभवन में आयोजित हुई दो दिवसीय बैठक

विश्वविद्यालय नैक मूल्यांकन हेतु मानक के अनुसार प्रस्तुतिकरण तैयार करें

विश्वविद्यालय समाज की समस्याओं को हल करने में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें

कुलपति आवेदन एवं अवकाश प्रक्रिया अब ऑनलाइन होगी

– राज्यपाल

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति राज्य विश्वविद्यालय श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से मूल्यांकन कराने हेतु राजभवन में आयोजित दो दिवसीय बैठक में आठ कुलपतियों ने अपने विश्वविद्यालयों के नैक मूल्यांकन के संबंध में की गयी तैयारियों का प्रस्तुतिकरण दिया।

उल्लेखनीय है कि राज्यपाल ने प्रदेश की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिये विश्वविद्यालयों के नैक मूल्यांकन को आवश्यक माना है। इससे पूर्व राज्यपाल ने 6 सितम्बर, 2019 को विश्वविद्यालयों के कुलपतियों संग नैक मूल्यांकन के संबंध में विचार–विमर्श किया था तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिये थे।

राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालयों को नैक मूल्यांकन में ए++ लाना है तथा इसके लिये मानक के अनुसार सभी आवश्यक कदम उठाते हुए अपना प्रस्तुतिकरण तैयार करें तथा इसमें किसी तरह की कोताही न बरती जाये। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों द्वारा दिये गये प्रस्तुतिकरण में परिलक्षित कमियों को आपस में समन्वय स्थापित कर अपना प्रस्तुतिकरण तैयार करें, जिससे नैक मूल्यांकन के समय कोई कठिनाई उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि जो प्रस्तुतिकरण तैयार किया जाये वह बाहर से न कराकर विश्वविद्यालय में उपलब्ध आन्तरिक संसाधनों का

उपयोग करते हुए किया जाये। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय समय–समय पर अपने पाठ्यक्रम को अद्यतन (अपग्रेड) भी करते रहें।

श्रीमती पटेल ने कहा कि कुलपति अपने छात्रों के साथ निरन्तर संवाद बनाये रखें जिससे विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण बना रहे तथा पठन–पाठन में गुणात्मक सुधार हो। उन्होंने कहा कि कुलपति छात्रावासों में जाकर वहाँ की समस्याओं को देखें तथा निराकरण कराने के साथ–साथ सम–सामयिक विषयों पर छात्रावासों में चर्चा का आयोजन कराते रहें।

राज्यपाल ने कहा कि समाज, गैर सरकारी संगठन और विश्वविद्यालय आपस में कैसे जुड़े, इस पर विश्वविद्यालयों को विचार करना चाहिए। विश्वविद्यालय समाज की समस्याओं को हल करने में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। इसके लिये विश्वविद्यालय छात्रों को स्थानीय आवश्यकताओं एवं समस्याओं के अनुरूप प्रोजेक्ट बनाकर उन्हें कार्य आवंटित कर उनसे फीड बैक प्राप्त करें। विश्वविद्यालय अपने संसाधनों के अधिकतम उपयोग हेतु छात्र–छात्राओं के साथ–साथ समाज के लोगों को भी सहभागी बनायें।

इससे पूर्व राज्यपाल ने राजभवन की वेबसाइट में दो माड्यूलों को जोड़ने का शुभारम्भ किया। वेबसाइट में नये जुड़ने वाले माड्यूलों के माध्यम से कुलपति एवं निदेशक के अवकाश तथा कुलपति एवं निदेशक के पद हेतु आवेदन की प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया है।

बैठक में राज्यमंत्री उच्च शिक्षा श्रीमती नीलिमा कटियार, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री हेमन्त राव, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री आर0रमेश कुमार, विशेष सचिव डॉ0 अशोक चन्द्र, विशेष कार्याधिकारी उच्च शिक्षा श्री केयूर सम्पत, विषय विशेषज्ञ श्रीमती प्रमिला मैनी, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो0 आलोक कुमार राय, कुलपति डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रो0 मनोज दीक्षित, कुलपति दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रो0 विजय कृष्ण, कुलपति डॉ0 शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय प्रो0 राणा कृष्ण पाल सिंह, कुलपति उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय प्रो0 नीलिमा गुप्ता, कुलपति सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो0 राजाराम शुक्ला, कुलपति ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी–फारसी विश्वविद्यालय प्रो0 माहरूख मिर्जा के अलावा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

रामपुरी चाकू की हनक में दब गई वायलिन की आवाज पेज 17 | धौनी के लम्बे आराम पर सुनील गावस्कर ने सवाल उठाए पेज 20
रविवार, 12 जनवरी 2020, लखनऊ www.livehindustan.com

राजभवन में कुलपतियों ने नैक मूल्यांकन की तैयारियों के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया

विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग लाएं: राज्यपाल

02 दिवसीय बैठक कुलपतियों की राज्यपाल ने बुलाई है

08 विश्वविद्यालयों के कुलपति बैठक में शामिल हुए

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि विश्वविद्यालयों को नैक मूल्यांकन में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग लाना है। इसके लिए मानक के अनुसार अपना प्रस्तुतीकरण तैयार करें तथा इसमें किसी तरह की कोताही न बरती जाये।

राज्यपाल राजभवन में आयोजित कुलपतियों की दो दिवसीय बैठक को संबोधित कर रही थीं। बैठक में आठ कुलपतियों ने अपने विश्वविद्यालयों के नैक मूल्यांकन के संबंध में की गयी तैयारियों का प्रस्तुतीकरण दिया। इस मौके पर राज्यपाल ने राजभवन की वेबसाइट में दो माड्यूलों को जोड़ने का शुभारम्भ किया। वेबसाइट में नये जुड़ने वाले माड्यूलों के माध्यम से कुलपति एवं निदेशक के अवकाश तथा इन पदों के लिए आवेदन की प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया है।

राजभवन में कुलपतियों की बैठक की अध्यक्षता करती राज्यपाल आनंदी बेन पटेल।

राज्यपाल ने कहा कि प्रस्तुतीकरण में दिख रही कमियों को आपस में समन्वय स्थापित कर इसे तैयार करें, जिससे नैक मूल्यांकन के समय कोई कठिनाई उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि जो प्रस्तुतीकरण तैयार किया जाए वह बाहर से न कराकर विश्वविद्यालय में उपलब्ध आंतरिक संसाधनों का उपयोग करते हुए किया जाए।

बैठक में राज्यमंत्री उच्च शिक्षा नीलिमा कटियार, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल हेमन्त राव, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा आर. रमेश कुमार, विशेष सचिव डा. अशोक चन्द्र, विशेष कार्याधिकारी उच्च शिक्षा केयूर सम्पत, विषय विशेषज्ञ प्रमिला मैनी, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित, गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कृष्ण, डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणाकृष्ण पाल सिंह, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ला, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. माहरूख मिर्जा के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कुलपति छात्रावासों की समस्याओं को देखें

श्रीमती पटेल ने कहा कि कुलपति अपने छात्रों के साथ निरंतर संवाद बनाये रखें जिससे विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण बना रहे। उन्होंने कहा कि कुलपति छात्रावासों में जाकर वहां की समस्याओं को देखें तथा निराकरण कराने के साथ-साथ समसामयिक विषयों पर छात्रावासों में चर्चा का आयोजन कराते रहे। राज्यपाल ने कहा कि समाज, गैर सरकारी संगठन और विश्वविद्यालय आपस में कैसे जुड़े, इस पर विश्वविद्यालयों को विचार करना चाहिए। विश्वविद्यालय समाज की समस्याओ को हल करने में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। इसके लिए विश्वविद्यालय छात्रों को स्थानीय आवश्यकताओं एवं समस्याओं के अनुरूप प्रोजेक्ट बनाकर कार्य आवंटित करे और फीड बैक प्राप्त करें।

SUNDAY | 12.01.2020 उत्तर प्रदेश amarujala.com
अमर उजाला
राजधानी वर्ष 12 | अंक 196 | पृष्ठ : 22+8+4= 34 | मूल्य : चार रुपये लखनऊ • 6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

प्रोजेक्ट बनाकर सामाजिक समस्याओं को हल करेंगे विश्वविद्यालय : राज्यपाल

आनंदीबेन ने कुलपतियों की बैठक में दिए निर्देश, कहा- छात्रों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखें

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के विश्वविद्यालय विभिन्न सामाजिक समस्याओं का हल तलाशने के लिए प्रोजेक्ट तैयार करेंगे। विश्वविद्यालयों के शिक्षक तथा विद्यार्थी इस पर काम करेंगे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को कुलपतियों की बैठक में यह निर्देश दिए।

राज्यपाल ने कहा कि समाज, गैर सरकारी संगठन और विश्वविद्यालयों को आपस में जोड़ने की जरूरत है। इसके लिए विश्वविद्यालयों को विचार करना चाहिए। विश्वविद्यालय समाज की समस्याओं को हल करने में योगदान दें। छात्रों को स्थानीय आवश्यकताओं एवं समस्याओं के हिसाब से प्रोजेक्ट बनाकर उन्हें कार्य आवंटित कर उनसे फीडबैक प्राप्त करें। विश्वविद्यालय अपने संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए विद्यार्थियों के साथ-साथ समाज के लोगों को भी सहभागी बना सकते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि कुलपति अपने छात्रों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखें जिससे विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण बना रहे तथा पठन-पाठन में गुणात्मक सुधार हो। कुलपति छात्रावासों में जाकर वहां की समस्याएं देखें तथा निराकरण कराएं। सम-सामयिक विषयों पर छात्रावासों में चर्चा का आयोजन भी होना चाहिए। विवि को समय-समय पर अपने पाठ्यक्रम को अपडेट करने की जरूरत है।

बैठक में राज्यमंत्री उच्च शिक्षा नीलिमा कटियार, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव हेमंत राव, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा आर रमेश कुमार, लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, अवध विवि के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित, गोरखपुर विवि के कुलपति प्रो. विजय कृष्ण, पुनर्वास विवि के कुलपति प्रो. राणा कृष्ण पाल सिंह, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह समेत कई विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल थे।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को राजभवन में प्रदेश के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक की।

नैक में अच्छी ग्रेड के लिए करें तैयारियां

बैठक में कुलपतियों ने नैक की तैयारियों को लेकर प्रस्तुतीकरण भी दिया। राज्यपाल ने कहा कि नैक में सभी को अच्छी ग्रेड लानी है। इसके लिए तैयारियां अच्छी तरह से करें। प्रस्तुतीकरण में जो कमियां हैं, उन्हें आपसी समन्वय से दूर करें। विश्वविद्यालय में उपलब्ध आंतरिक संसाधनों का उपयोग करते हुए ही प्रस्तुतीकरण तैयार किया जाए।

कुलपति पद के आवेदन व अवकाश स्वीकृति ऑनलाइन

कुलपति तथा निदेशक पद के लिए आवेदन प्रक्रिया अब ऑनलाइन होगी। इसी तरह कुलपति तथा निदेशकों को अपना अवकाश स्वीकृत कराने के लिए अब ऑनलाइन आवेदन करना होगा। राज्यपाल ने इसके लिए दो पोर्टल लॉन्च किए। ये पोर्टल राजभवन की वेबसाइट से जुड़ेंगे।

my city अमर उजाला आगरा
Campus अमर उजाला

नागरिकता कानून और अनुच्छेद 370 पढ़ेंगे छात्र

आगरा। छात्र-छात्राएं नागरिकता कानून और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए हटाए जाने को पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ेंगे। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने इस पर नया पाठ्यक्रम शुरू किया है। दोनों पाठ्यक्रमों में इंटर पास छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा। शुक्रवार से प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की क्षेत्रीय समन्वयक/निदेशक डॉ. रेखा सिंह के अनुसार नागरिकता कानून के संबंध में देशभर में फैले भ्रम को दूर करने के लिए जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। उम्मीद है कि युवाओं में इस कानून के संबंध में फैला भ्रम दूर होगा। इसके साथ ही विद्यार्थियों को कश्मीर घाटी की आजादी का भी पाठ पढ़ाया जाएगा। अखंड भारत की परिकल्पना को मूर्त रूप देते हुए केंद्र की भाजपा सरकार ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा संबंधित अनुच्छेद 370 और 35-ए को हटा दिया था। दोनों मसलों पर तीन माह का पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। एकेडमिक काउंसिल ने बृहस्पतिवार को दोनों प्रस्तावों को मंजूरी दे दी। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की। जनवरी माह से शुरू हो रहे नए सत्र से ही इसे लागू किया जा रहा है। पाठ्यक्रम पूरा करने पर विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा। ब्यूरो

NBT नवभारत टाइम्स

राजर्षि टंडन सीएए, आर्टिकल 370, 35 ए की करवाएगा पढ़ाई

■ एनबीटी ब्यूरो, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में चालू शैक्षिक सत्र से सीएए, अनुच्छेद-370 और 35ए की पढ़ाई करवाई जाएगी। तीन महीने के इस सर्टिफिकेट कोर्स के लिए शुक्रवार से एडमिशन शुरू हो गया है। दावा किया जा रहा है कि, ऐसा कोर्स शुरू करने वाला यूपीआरटीओयू देश का पहला विश्वविद्यालय है। इन दोनों पाठ्यक्रमों को कुछ दिन पहले ही अकैडमिक काउंसिल की बैठक में सर्वसम्मति से हरी झंडी मिली थी। दोनों पाठ्यक्रमों में 12वीं पास कर चुके छात्र-छात्राएं प्रवेश ले सकते हैं।

दावा
ऐसा कोर्स शुरू करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रफेसर के एन सिंह ने बताया कि, कोई भी विश्वविद्यालय खुद को समाज की समस्याओं से अलग नहीं रख सकता। उसकी जिम्मेदारी है कि ऐसे मामलों में सही स्थिति समाज के सामने रखे। इसी को ध्यान में रखकर इन पाठ्यक्रमों को शुरू किया गया है। क्योंकि दोनों ही मामलों में आम लोगों में काफी भ्रम की स्थिति है। यह कोर्स विश्वविद्यालय का कोई भी छात्र या छात्रा अपने कोर्स के साथ भी कर सकता है। कोर्स पूरा करने पर यूनिवर्सिटी की तरफ से प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

पांच भागों में बांटा पाठ्यक्रम : पाठ्यक्रम को पांच भागों में बांटा गया है। इसमें भारत में नागरिकता एवं अद्यतन संशोधन, अंतरराष्ट्रीय विधि एवं नागरिकता, प्रावधान एवं आधार, अधिनियम एवं उसकी विशेषताएं और अधिनियम का प्रभाव एवं मुद्दे छात्र-छात्राओं को पढ़ाए जाएंगे। जबकि, अनुच्छेद-370 और 35ए पाठ्यक्रम को छह हिस्सों में बांटा गया है।

रविवासरीय हिन्दुस्तान

सीएए, धारा 370 का कोर्स कराएगा राजर्षि टंडन विवि

बरेली। देश भर में जहां एक तरफ नागरिकता कानून को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है। वहीं दूसरी तरफ राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने नागरिकता कानून पर नए पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया है। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ आरबी सिंह ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय ने नागरिकता कार्यक्रम और अनुच्छेद 370 व 35ए के ऊपर दो नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। दोनों पाठ्यक्रम तीन-तीन महीने के हैं। इसमें प्रवेश लेने के लिए न्यूनतम योग्यता इंटर है। इन दोनों कोर्स में प्रवेश के लिए कोई लिखित परीक्षा नहीं होगी। छात्रों को केवल एक प्रोजेक्ट जमा करना होगा। पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद सभी छात्रों के लिए विश्वविद्यालय से प्रमाण पत्र दिया जाएगा। प्रवेश के लिए आयु की भी कोई सीमा नहीं है। दोनों पाठ्यक्रमों की फीस 500-500 रुपये है। इनकी अध्ययन सामग्री विश्वविद्यालय से आएगी।अधिक जानकारी के लिए क्षेत्रीय कार्यालय बरेली में मोबाइल नंबर 7525048025 पर संपर्क किया जा सकता है।

UPRTOU launches courses on CAA, Articles 370, 35A

TIMES NEWS NETWORK

Bareilly: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University's (UPRTOU) regional office in Bareilly launched two awareness courses on Citizenship Amendment Act (CAA) and Article 370, which gave special status to Jammu and Kashmir, and Article 35A, which empowered the J&K legislature to define 'permanent residents' of the state and provide them with special rights, on Saturday.

According to UPRTOU officials, Class XII passed students can apply for the three-month courses, and the fee is Rs 500 each for the courses.

RB Singh, regional coordinator, UPRTOU, Bareilly, said, "As debates are taking place in the country over CAA, Articles 370 and 35A, our university has launched the short-term courses to create awareness among the public. There is no age bar for joining the courses. After enrolment, students will get study material from the university. There will not be any exam, but the students will have to submit a project on the conclusion of the course, and the university will award them a certificate."

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सीएए और अनुच्छेद 370, 35ए जागरूकता पाठ्यक्रम प्रारम्भ

झांसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इस जनवरी सत्र से अनुच्छेद 370 के साथ सीएए पर जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू किया है। दोनों कानून पर समाज और समय की आवश्यकता को देखते हुये इस विश्वविद्यालय द्वारा यह जागरूकता पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक रेखा त्रिपाठी ने बताया है कि इसमें किसी प्रकार की परीक्षा नहीं होगी सिर्फ असाइनमेंट जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि यह देश का पहला विश्वविद्यालय है जो इस प्रकार के ज्वलंत विषयों के माध्यम से समाज को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है।उनके अनुसार इस कोर्स का उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा लोग सीएए इस कानून के बारे में सही तरीके से जान सके।

2 दैनिक जागरण, Bareilly, 12 January 2020

नागरिकता कानून, अनुच्छेद 370 और 35 ए पर पाठ्यक्रम शुरू

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (11 Jan): राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज की तरफ से नागरिकता कानून ओर अनुच्छेद 370 और 35 ए पर दो नए पाठयक्रम शुरू किए गए हैं. यह जानकारी क्षेत्रीय को-आर्डिनेटर डॉ. आरबी सिंह ने दी. उन्होंने बताया कि दोनों कार्यक्रम तीन माह के हैं तथा इसमें प्रवेश लेने के लिए न्यूनतम योग्यता इंटरमीडिएट पास है. दोनों पाठयक्रम की फीस 500 रुपए है. इसमें अध्ययन सामग्री विवि द्वारा भेजी जाएगी. इन दोनों कोर्सेस की कोई लिखित परीक्षा नहीं होगी. छात्रों को केवल एक प्रोजेक्ट जमा करना होगा. पूरा कोर्स करने पर विवि से एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा. इसके लिए कोई एज लिमिट नहीं रखी गई है.

Scanned with CamScanner

नागरिकता कानून पर शुरू किया पाठ्यक्रम

बरेली। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने नागरिकता संशोधन कानून और धारा 370 व 35(ए) पर तीन माह का जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू किया है। न्यूनतम योग्यता इंटर और दोनों पाठ्यक्रमों की फीस 500 रुपये रखी गई है। इसकी अध्ययन सामग्री विश्वविद्यालय द्वारा भेजी जाएगी। हालांकि इसकी परीक्षा नहीं होगी बल्कि प्रोजेक्ट वर्क जमा करना होगा। पाठ्यक्रम का सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि इस संबंध में मोबाइल नंबर 7525048025 पर भी जानकारी ले सकते हैं। ब्यूरो

दैनिक जागरण
वाराणसी जागरण www.jagran.com दैनिक जागरण वाराणसी, 14 जनवरी 2020 5

सीएए व अनुच्छेद-370 पर सर्टिफिकेट कोर्स

जासं, वाराणसी: वर्तमान में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) व अनुच्छेद-370 व अनुच्छेद 35 'ए' का मुद्दा पूरे देश में छाया है। इसे देखते हुए उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (प्रयागराज) ने सीएए व अनुच्छेद-370 व अनुच्छेद 35 'ए' पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया है। इंटर पास कोई भी छात्र तीन माह के इस कोर्स में दाखिला ले सकता है। दाखिले के लिए अधिकतम कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है।

क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी के क्षेत्रीय समन्वयक डा. सीके सिंह ने बताया कि सूबे का यह पहला विश्वविद्यालय है जो ज्वलंत बिंदुओं का कोई कोर्स शुरू किया है। विद्या परिषद से इसकी स्वीकृति मिल चुकी है। जनवरी सत्र में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर पाठ्य सामग्री भी मौजूद है।

अमर उजाला
वाराणसी मंगलवार, 14 जनवरी 2020
तेवर नरम | ईरान ने माना, अमेरिकी संकट का एकमात्र हल-तनाव कम हो...16 | उत्तर प्रदेश
amarujala.com

राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय

सीएए और अनुच्छेद 370 पर तीन माह का सर्टिफिकेट कोर्स

तीन महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के लिए इंटर उत्तीर्ण छात्र कर सकेंगे आवेदन

वाराणसी। सिटीजन अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) और अनुच्छेद 370 व 35ए अब पाठ्यक्रम का हिस्सा होगा। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने इसके लिए सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया है। इसमें प्रवेश के लिए आयुसीमा की बाध्यता नहीं है। इंटर पास कोई भी अभ्यर्थी इन दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकता है।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. सीके सिंह ने बताया कि देश में इन दोनों मुद्दों पर चर्चाएं चल रही हैं। लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम की शुरुआत की जा रही है। इस तरह का पाठ्यक्रम शुरू करने वाला राजर्षि टंडन पहला विश्वविद्यालय है। विद्या परिषद से तीन महीने के पाठ्यक्रम की स्वीकृति मिलने के बाद प्रवेश प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। दोनों पाठ्यक्रमों की फीस 500 रुपये है। अध्ययन सामग्री विश्वविद्यालय की ओर से दी जाएगी। विश्वविद्यालय की वेबसाइट से इसकी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है। ब्यूरो

अमर उजाला
amarujala.com/varanasi
वाराणसी | मंगलवार | 14 जनवरी 2020
SELECT

राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय में सीएए और अनुच्छेद 370 पर चलेगा पाठ्यक्रम

तीन महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के लिए इंटर उत्तीर्ण छात्र कर सकेंगे आवेदन

वाराणसी। सिटीजन अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) और अनुच्छेद 370 व 35ए अब पाठ्यक्रम का हिस्सा होगा। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज इसके लिए सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया है। इसमें प्रवेश के लिए आयुसीमा की बाध्यता नहीं है। इंटर पास कोई भी अभ्यर्थी इन दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकता है।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. सीके सिंह ने बताया कि देश में इन दोनों मुद्दों पर चर्चाएं चल रही हैं। लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम की शुरुआत की जा रही है। इस तरह का पाठ्यक्रम शुरू करने वाला राजर्षि टंडन पहला विश्वविद्यालय है। विद्या परिषद से तीन महीने के पाठ्यक्रम की स्वीकृति मिलने के बाद प्रवेश प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

दोनों पाठ्यक्रमों की फीस 500 रुपये है। अध्ययन सामग्री विश्वविद्यालय की ओर से दी जाएगी। विश्वविद्यालय की वेबसाइट से इसकी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

राष्ट्रीय सहारा
नेपाल में स्कूली छात्रों के लिए योग शिक्षा होगी अनिवार्य
छत्रपति शिवाजी अतुलनीय : राउत
फाइलें दबाने वाले अफसर दिखाया जाएगा बाहर का
महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी का किरदार निभाएंगी अनुष्का पेज-16
www.facebook.com/rashtriyasahara | https://twitter.com/SaharaRashtriya | www.rashtriyasahara

सीएए व अनुच्छेद 370, 35ए पर पाठ्यक्रम शुरू

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
वाराणसी।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) एवं अनुच्छेद 370 व 35ए पर नये जागरुकता पाठ्यक्रम की शुरुआत किया गया है। इंटरमीडिएट पास विद्यार्थी इसमें प्रवेश ले सकते हैं। तीन माह की समय सीमा वाले दोनो पाठ्यक्रमों की फीस 500 रुपये निर्धारित की गयी है। उक्त जानकारी देते हुए क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. सीके सिंह ने वताया कि ज्वलंत विन्दुओं पर पाठ्यक्रम शुरु करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्याल है। यह पाठ्यक्रम इसी जनवरी माह से शुरु किया गया है।

हिन्दुस्तान
कानपुर LIVE
कैम्पस/सिटी | सिटी | बॉलीवुड कॉर्नर

सीएए संग करें अनुच्छेद 370 व 35 ए की पढ़ाई

प्रवेश शुरू

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), अनुच्छेद-370 और 35 ए की पढ़ाई भी होगी। उत्तर प्रदेश राजर्षित टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने इन तीनों विषय को लेकर विशेष कोर्स शुरू किया है। यह देश का पहला विवि है, जिसने इस तरह का पाठ्यक्रम शुरू किया है। इन तीनों कोर्स में पढ़ाई के लिए आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। सत्र 2020 से ही पहले बैच की पढ़ाई होगी।

नागरिकता संशोधन कानून क्या है, अनुच्छेद 370 और उसके उपबंध 35-ए में क्या था, जिसे रद कर दिया गया है। ऐसे कई सवालों के जवाब इस कोर्स से मिल जाएंगे। पिछले साल केंद्र ने अनुच्छेद 370 को हटाने व नागरिकता संशोधन कानून लागू करने का बड़ा फैसला लिया था। अब उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने इनसे संबंधित दो नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। ये दोनों ही कोर्स तीन माह के होंगे। इसमें इंटर पास छात्र-छात्राओं को दाखिला मिलेगा। कोर्स पूरा होने पर प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

विवि के कानपुर में एडवाजर अभिषेक सिंह ने बताया कि सीएए कोर्स को पांच भागों में बांटा गया है जबकि अनुच्छेद-370 को छह भागों में पढ़ना होगा। सीएए में भारत में नागरिकता एवं अद्यतन संशोधन, अंतर्राष्ट्रीय विधि एवं नागरिकता, प्रावधान एवं आधार, अधिनियम व उसकी विशेषताएं और अधिनियम का प्रभाव एवं मुद्दे को प्रमुख रूप से पढ़ाया जाएगा।

जम्मू और कश्मीर से भी अवगत कराएगा विवि

जम्मू और कश्मीर के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए भी विवि ने एक नया अवेयरनेस कोर्स शुरू किया है इसका नाम अवेयरनेस प्रोग्राम ऑन जम्मू एंड कश्मीर। तीन माह के इस कोर्स में जम्मू-कश्मीर के बारे में विस्तृत जानकारी पढ़ाई जाएगी।

करें आवेदन

“ मुक्त विवि ने 2020 से दो नए कोर्स शुरू किए हैं। धारा-370 और सीएए को लेकर शुरू हुए पाठ्यक्रम के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

-डॉ. सुचिता चतुर्वेदी
रीजनल कोआर्डिनेटर, मुक्त विवि

प्रयागराज, मंगलवार
14 जनवरी 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 20

दैनिक जागरण

www.jagran.com

देशभर के विश्वविद्यालयों में भी 'सर्जिकल स्ट्राइक' की जरूरत

गुरुदीप त्रिपाठी • प्रयागराज

जागरण विमर्श

'राजनीति का अखाड़ा बनने से कैसे बचें विश्वविद्यालय' विषयक परिचर्चा में यूपीआरटीओयू के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह का मत

आज जो माहौल है, उसमें लगता है कि देशभर के सभी विश्वविद्यालयों में 'सर्जिकल स्ट्राइक' की जानी चाहिए। कुछ बातें तो तय होनी जरूरी ही है, मसलन एक छात्र अधिकतम कितने वर्षों तक विश्वविद्यालय परिसर में पढ़ाई कर सकता है अथवा हॉस्टल में रह सकता है। ऐसा होने पर ही विश्वविद्यालयों को राजनीति का अखाड़ा बनने से रोका जा सकेगा। यह बातें दैनिक जागरण की अकादमिक परिचर्चा में सोमवार को बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कही। इस बार एजेंडा था-'राजनीति का अखाड़ा बनने से कैसे बचें विश्वविद्यालय।'

प्रो. सिंह ने कहा विश्वविद्यालयों को राजनीति का अखाड़ा बनने से बचाने के लिए हर किसी को आगे आना होगा। समाज, अभिभावक, छात्र-छात्राएं, शिक्षक और कर्मचारी सभी स्टेक होल्डर हैं। उन्होंने कहा जैसे घर में किसी तरह की समस्या का निपटारा करने के लिए परिवार के लोग आते हैं, वैसे ही कैंपस की समस्याओं के समाधान के लिए शैक्षिक परिवार को आगे आना होगा।

सामूहिक जिम्मेदारी से बनेगी बात : अतिथि वक्ता के मतानुसार कभी यदि भारत विश्वगुरु था तो इसमें सभी की सहभागिता थी। अब सोचने वाली बात है कि हम पिछड़ते क्यों जा रहे हैं? दरअसल वर्तमान दौर में नामिकता का भाव है। शिक्षक सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं। कुछ आयातित विचारधाराएं विश्वविद्यालय परिसरों को अराजक बना रही हैं। इनसे जुड़े लोग अपनी बात बनवाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। हिंसा से पीछे नहीं रहते। ऐसे में इस बात का ध्यान देना होगा कि कैंपस में डेमोक्रेसी किस हद तक हो। सामूहिकता का भाव ही तस्वीर बदल सकता है।

सोमवारीय अकादमिक परिचर्चा में बोलते प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय • जागरण

सियासी दल बदलें एजेंडा : प्रो. सिंह ने सलाह दी कि राजनैतिक दलों को अपना एजेंडा भी बदलना चाहिए। उन्हें कैंपस को अराजक बनाने के बजाय राष्ट्रहित और समाज हित में अपनी ऊर्जा खर्च करनी चाहिए। अखाड़ा तो देश की परिपाटी रही है, लेकिन इस तरह का अखाड़ा नहीं। सभी विचारों का स्वागत किया जाना चाहिए। मतभेद हो पर मनभेद नहीं। मनभेद की वजह से ही कैंपस अराजक हो रहे हैं।

'प्रसवकाल' बाद आएंगे अच्छे दिन : अतिथि वक्ता की राय में राजनैतिक दल छात्रों को ऊर्जा प्रदान करते रहे हैं। यदि यही ऊर्जा वह राष्ट्रहित में व्यय करें तो शायद देश का भला हो सके। विडंबना यह है कि राष्ट्रहित उनके लिए दोयम है। ऐन केन प्रकारेण सत्ता में आने की अकुलाहट है। इससे कैंपस बदनाम हो रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्यों नैक की रेटिंग में ए ग्रेड वाले विश्वविद्यालयों में भारत तेरे टुकड़े होंगे जैसे नारे लगते हैं और संसद पर हमला करने वाले अफजल की बरसी मनाई जाती है। वैसे यह बात कहते हुए उन्होंने कहा कि अभी प्रसव पीड़ा का समय है। जैसे प्रसव बाद खुशखबरी आती है वैसे, अच्छे दिन भी आएंगे।

अतिथि परिचय

मूलरूप से बलिया के बर्रेबोझ गांव निवासी ख्यातिप्राप्त भूगोलविद् प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गोरखपुर विश्वविद्यालय से स्नातक-परास्नातक की उपाधि हासिल करने के बाद वहीं से शोध भी किया। वर्ष 1982 में डॉड फेलोशिप के तहत एक वर्ष तक जर्मनी में रहे। वह गोरखपुर विश्वविद्यालय, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के कार्य परिषद सदस्य के रूप में भी सेवाएं चुके हैं। उनके 60 शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हो चुके हैं। साथ ही 14 पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। पुणे के डेक्कन एसोसिएशन ऑफ जियोग्राफर ने उन्हें वर्ष 2014 में उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में सम्मानित किया था। प्रो. सिंह रूरल डेवलपमेंट गोरखपुर एंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ इंडियन ग्राफिक जियोग्राफर्स के महासचिव भी हैं।

Live हिन्दुस्तान .com

हिन्दुस्तान टीम, आगरा
Last updated: Fri, 10 Jan 2020 09:08 PM IST

राजर्षि टंडन विवि से करें सीएए और अनुच्छेद-370 की पढ़ाई

नए कोर्स

आगरा | कार्यालय संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) की पढ़ाई कराएगा। साथ ही छात्र अनुच्छेद-370 और 35ए की पढ़ाई कर सकेंगे। मुक्त विवि में सीएए, अनुच्छेद-370 व 35ए पर पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। इन दोनों पाठ्यक्रमों को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में सर्वसम्मति से हरी झंडी मिल गई है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय पहला विश्वविद्यालय होगा, जो इस प्रकार के पाठ्यक्रम की पढ़ाई कराएगा। अनुच्छेद-370, 35ए पर तीन माह का जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। नया शैक्षणिक सत्र यानी जनवरी-2020 से पाठ्यक्रम लागू कर दिया गया है।

तीन माह का पाठ्यक्रम

- तीन महीने के होंगे पाठ्यक्रम, जनवरी सेशन में दिया जाएगा प्रवेश
- दोनों पाठ्यक्रमों में इंटर पास छात्र-छात्राओं को दाखिला मिल सकेगा

दोनों पाठ्यक्रमों में इंटर पास छात्र-छात्राओं को दाखिला मिल सकेगा। क्षेत्रीय कोऑर्डिनेटर डॉ. रेखा सिंह के अनुसार तीन महीने के इस पाठ्यक्रम में छात्र-छात्राओं को असाइनमेंट दिया जाएगा।

कोर्स पूरा करने पर विवि की तरफ से प्रमाण पत्र दिया जाएगा। उनके अनुसार सीएए पाठ्यक्रम को पांच भागों में बांटा गया है। इसमें भारत में नागरिकता एवं अद्यतन संशोधन, अंतरराष्ट्रीय विधि एवं नागरिकता, प्रावधान एवं आधार, अधिनियम एवं उसकी विशेषताएं और अधिनियम का प्रभाव एवं मुद्दे छात्र-छात्राओं को पढ़ाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि अनुच्छेद-370 और 35ए पाठ्यक्रम को छह हिस्सों में बांटा गया है। इसमें जम्मू-कश्मीर का भौगोलिक व ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक परिप्रेक्ष्य, जम्मू कश्मीर का भू-राजनैतिक तथा सामरिक महत्व, भारतीय स्तंभ में पूर्व में विशेष राज्य के दर्जे का स्थान तथा अनुच्छेद-370 तथा 35ए, राज्य में हिंसा और आतंकवाद, अनुच्छेद-370 का समापन एवं राज्य का जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख नाम से दो केंद्र शासित प्रदेश का गठन और अखंड भारत के निर्माण में जम्मू-कश्मीर का पूर्ण विलय : एक महत्वपूर्ण उपलब्धि शामिल है।

Meerut, Wednesday, 15 January 2020
MEERUT EDITION
Price ₹2.00/-
Pages 12
दैनिक जागरण
Makar Sankranti & Pongal
www.inextlive.com
Published from MEERUT • Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Kanpur • Lucknow • Patna • Prayagraj • Ranchi • Varanasi
ऑसम ऑस्ट्रेलिया } 09
'गंगूबाई' का 'लोगो' रिलीज, आज दिखेगी पहली झलक } 10
Only at ₹2.00 daily
facebook.com/inextlive youtube.com/inextlive twitter.com/inextlive
WEATHER Max: 15.8° C Min: 10.4° C Sunset: 5.43 pm Sunrise: 7.13 am
inext
सोना ₹40,422 चांदी ₹47,083 डॉलर ₹70.87

सीएए व आर्टिकल 370 पढ़ेंगे स्टूडेंट्स

CONCEPT PIC

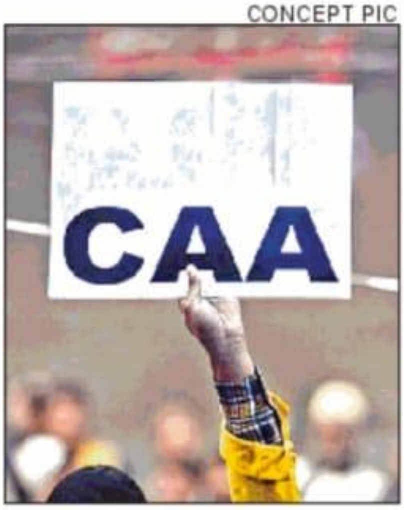

राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी में जागरुकता का कोर्स जोड़ा गया है

इंटर पास स्टूडेंट ले सकेंगे एडमिशन

10 जनवरी को ही इसका अप्रूवल पास हुआ है. इन दोनों कोर्स लिए प्रवेश शुरू हो गए हैं. इस कोर्स में 12वीं पास एडमिशन ले सकते हैं.

i SPECIAL

meerut@inext.co.in

MEERUT (14 Jan): अब राजर्षि टंडन के स्टूडेंट नागरिकता कानून व धारा 370 के बारे में पढ़ सकेंगे. अब यूपी की राजर्षि ओपन यूनिवर्सिटी ने जागरुकता कोर्स शुरु किया है. यूनिवर्सिटी के वीसी के निर्देशों पर ही ये कोर्स जनवरी 2020 में लागू किया गया है. 10 जनवरी को ही इसका अप्रूवल पास हुआ है. इन दोनों कोर्स लिए प्रवेश शुरू हो गए हैं. ऑनलाइन यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराए जा सकते हैं, इस कोर्स में इंटरमीडिएट यानी 12वीं पास एडमिशन ले सकते हैं.

यूपी में पहली बार शुरु कोर्स

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और अनुच्छेद 370 पर अब उत्तर प्रदेश की पहली ओपन यूनिवर्सिटी ने जागरूकता कोर्स शुरु किया है. दोनों कानूनों पर संभवत: यह पहला कोर्स है, यूपी राजर्षि टंडन मुक्त यूनिवर्सिटी में जनवरी 2020 से यह लागू कर दिया गया है. यूनिवर्सिटी के अनुसार कुछ ऐसे कोर्स होते हैं, जिनकी परीक्षा नहीं होती है. केवल असाइनमेंट के मूल्यांकन के आधार पर प्रमाण-पत्र दिए जाते हैं. वर्तमान में दो ऐसे विषय हैं -सीएए और अनुच्छेद 370, दोनों के बारे में लोगों को जानना अनिवार्य है, इसीलिए ये कोर्स कराए जा रहे हैं.

पांच सौ रुपए होगी फीस

बता दें कि मेरठ व सहारनपुर रीजन में पांच जिले आते है, जिनमें इस यूनिवर्सिटी के टोटल 41 सेंटर चल रहे है. इन सभी में ये कोर्स चल रहे है, इन कोर्स की फीस भी पांच सौ रुपए ही रखी गई है. ताकि इनको आसानी से कोई भी कर सकें. इस कोर्स में रजिस्ट्रेशन शुरु हो चुके है जो फरवरी 15 तक ही हो पाएंगे. कोर्स तीन महीने के होंगे जिनके लिए सर्टिफिकेट दिया जाएगा. अगर मेरठ की बात करें तो मेरठ में एनएएस कॉलेज, डीएन कॉलेज व इस्माईल डिग्री कॉलेज तीन सेंटर्स पर यूनिवर्सिटी संबंधित कोर्स चल रहे है.

"पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 और 35ए को रद कर दिया था. इन दोनों मसलों को लेकर तीन माह का जागरूकता कोर्स शुरू किया गया है. यह अपने तरह का पहला कोर्स होगा जिससे लोगों को कानून की जानकारी मिलेगी व उनमें जागरुकता आएगी.

डॉ. पूनम गर्ग, रीजनल ऑफिसर, राजर्षि टंडन यूनिवर्सिटी, इस्माईल डिग्री कॉलेज मेरठ सेंटर

नई दिल्ली, बुधवार, 15 जनवरी 2020
जागरण सिटी
दैनिक जागरण
नोएडा
www.jagran.com

सीएए और अनुच्छेद 370 पर कोर्स के लिए आवेदन शुरू

जासं, नोएडा : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और अनुच्छेद 370 तथा 35ए पर तीन माह के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। जिसके लिए विवि के नोएडा कैंपस ने आवेदन लेना शुरू कर दिया। जनवरी सत्र के लिए आवेदन 8 जनवरी से शुरू हो गए और 31 जनवरी तक चलेंगे। सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश के लिए कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है। 12वीं पास कोई भी अभ्यर्थी इन दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकता है। देश में वर्तमान समय में इन दोनों मुद्दों को लेकर देश में भ्रम की स्थित व्याप्त है। ऐसे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने इन दोनों पाठ्यक्रमों की आरंभ किया है।

नोएडा में प्रवेश लेने के लिए गाजियाबाद केंद्र चुने : विश्वविद्यालय की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ कविता त्यागी ने बताया कि सीएए, अनुच्छेद 370 तथा 35ए पर पाठ्यक्रम शुरू करने वाला राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। विद्या परिषद से 3 महीने के पाठ्यक्रम की स्वीकृति मिलने के बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। दोनों में प्रत्येक पाठ्यक्रम की फीस 500 रुपये तय की गई है। इसमें प्रवेश के लिए आवेदक विवि की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर आवेदन करने के लिए नोएडा रीजनल सेंटर चुनकर गाजियाबाद का केंद्र चुने, इसके बाद नोएडा में पहले से बने 22 स्टडी सेंटर में से एक अपने लिए चयनित कर आवेदन पूरा करें। इस पाठ्यक्रम की पूरी अध्ययन सामग्री विश्वविद्यालय से दी जाएगी, जिसके बाद आवेदकों को समय-समय पर अपनी असाइनमेंट स्टडी सेंटर में जमा करनी होगी।

• वर्ष 18 | अंक 1 | पृष्ठ : 18 | मूल्य : छह रुपये amarujala.com 6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण उत्तर प्रदेश वाराणसी, बृहस्पतिवार, 16 जनवरी 2020
अमर उजाला

छात्रों को पढ़ाएंगे 'घाटी की आजादी का पाठ'

राजर्षि टंडन विवि ने सीएए पर ने शुरू किया पाठ्यक्रम

इलिया। नागरिकता संशोधन कानून व अनुच्छेद 35 ए को लेकर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू किया है। जनवरी से इसकी पढ़ाई भी शुरू हो चुकी है। छात्रों को घाटी की आजादी का पाठ पढ़ाया जाएगा। मंगलवार को यूपीआरटीओयू के क्षेत्रीय निदेशक डा. सीके सिंह ने मृत्युंजय पांडेय संस्कृत महाविद्यालय बरहुआ में कही। उन्होंने बताया कि दोनों कोर्सों में तीन माह का जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू करने वाला उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय पहला विश्वविद्यालय है। दोनों पाठ्यक्रमों में इंटर पास छात्र-छात्राओं को दाखिला मिलेगा। कोर्स पूरा करने पर विश्वविद्यालय की तरफ से प्रमाण पत्र दिया जाएगा। बताया कि इसमें भारत में नागरिकता एवं अद्यतन संशोधन अंतर्राष्ट्रीय विधि व नागरिकता प्रावधान एवं आधार, अधिनियम एवं उसकी विशेषताएं और अधिनियम का प्रभाव छात्रों को पढ़ाया जाएगा। इस दौरान चंद्रशेखर पांडेय, राजेंद्र प्रसाद, अरविंद चौबे, पीयूष पाठक, शैलेश पांडेय मौजू रहे। संवाद

कांग्रेस शासन से ज्यादा खराब स्थिति : मायावती पेज 09 | गर्भावस्था में अवसाद से शिशु के दिमाग को क्षति पेज 16
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

गुरुवार, 16 जनवरी 2020, वाराणसी, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर www.livehindustan.com वर्ष 11, अंक 14, पेज 18, मूल्य ₹5.00, माघ कृष्ण पक्ष, षष्ठी, विक्रम संवत् 2076

सीएए के डिप्लोमा कोर्स में पांच अध्याय

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

मुक्त विवि

- अनुच्छेद 370 व 35 ए पर भी तैयार हुआ है पाठ्यक्रम
- तीन महीने का विश्वविद्यालय ने तैयार किया है नया कोर्स

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में इस सत्र से सीएए और अनुच्छेद-370 व 35-ए से जुड़े दो सर्टिफिकेट कोर्स शुरू हुए हैं। सीएए यानी संशोधित नागरिकता कानून के पाठ्यक्रम में छात्रों को नागरिकता के विविध प्रकार के साथ ही उससे जुड़े राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों की जानकारी मिलेगी।

सीएए का कोर्स पांच भागों में विभाजित है। इसके तहत भारत में नागरिकता एवं अद्यतन संशोधन, अंतरराष्ट्रीय विधि और नागरिकता, प्रावधान और आधार, अधिनियम और उसकी विशेषताएं, अधिनियम का प्रभाव और मुद्दा पढ़ाया जाएगा। अनुच्छेद 370 और 35 ए पाठ्यक्रम को छह हिस्सों में विभाजित किया गया है। इनमें जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक और ऐतिहासिक स्थिति, सामाजिक-आर्थिक परिप्रेक्ष्य, भू-राजनीतिक और सामरिक महत्व, भारतीय संविधान में पूर्व में विशेष राज्य के दर्जे का स्थान तथा अनुच्छेद 370 तथा 35 ए, राज्य में हिंसा आतंकवाद, अनुच्छेद 370 का समापन, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के नाम से दो नए केंद्र शासित प्रदेश का गठन तथा 'अखंड भारत के निर्माण में जम्मू-कश्मीर का पूर्ण विलयः एक महत्वपूर्ण उपलब्धि' अध्याय शामिल हैं।मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. सीके सिंह ने बताया है कि कोर्स की अवधि तीन महीने की है। यह एक जागरूकता पाठ्यक्रम है। इस कोर्स में दाखिला लेने की कोई आयुसीमा नहीं है। इंटर पास कोई भी दाखिला ले सकता है। ऐसे ज्वलंत विषयों पर पाठ्यक्रम शुरू करने वाला राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है। दोनों पाठ्यक्रम की जानकारी विश्वविद्यालय के सिगरा स्थित क्षेत्रीय कार्यालय से मिल सकती है। यहां से 40 अध्ययन केंद्र संचालित होते हैं।

हिन्दुस्तान
लखनऊ LIVE
गुरुवार , 16 जनवरी 2020
www.livehindustan.com

बुधवार को सूर्य उत्तरायण हो गया। इस अवसर पर एक ओर जहां मंदिरों में भक्तों की कतार लगी वहीं घरों में भी पूरे उत्साह से पर्व मनाया गया।

लखनऊ LIVE युवा
गुरुवार , 16 जनवरी 2020
हिन्दुस्तान 02

नागरिकता कानून पर तीन महीने का कोर्स

राजर्षि टंडन विवि

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि नए सत्र से नागरिकता कानून व धारा 370 पर आधारित दो कोर्स शुरू करने जा रहा है। नए सत्र से छात्र में इसमें दाखिला ले सकेंगे।

कुलपति की ओर से जागरूकता पाठ्यक्रम को लागू किया गया है। विश्वविद्यालय के अनुसार नागरिकता कानून व धारा 370 को लेकर लोगों को काफी भ्रम है। छात्रों को सही जानकारी देने के लिए नए सत्र से यह दो पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। इंटरमीडिएट पास छात्र इन कोर्सों में दाखिला ले सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन होगी। विवि के अनुसार इस पाठ्यक्रम की अवधि तीन महीने की है। कोर्स की फीस 500 रुपये प्रति माह निर्धारित की गई है।

4 बुधवार, 15 जनवरी 2020 बरेली
2 टूक

राजर्षि विश्वविद्यालय देगा धारा 370 और 35 ए का डिप्लोमा

स्नातक स्तरीय इस शॉर्ट टर्म कोर्स में नही होगा कोई एग्जाम

2 टूक संवाददाता

बरेली। जम्मू कश्मीर को धारा 370 व 35ए के जरिए विशेष राज्य का दर्जा मिला था। धारा 35ए व 370 हटने से देश भर में बड़ी अफरा-तफरी का माहौल रहा था। बावजूद इसके देश भर के लोगों को इन धाराओं की जानकारी काफी कम है। ऐसे में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स शुरू किया है। इस कोर्स की मदद से छात्रों को 370 और 35ए की भरपूर जानकारी मिलेगी।

एडमिशन के लिए इंटर पास होना जरूरी: तीन माह के इस डिप्लोमा कोर्स में एडमिशन के लिए छात्र-छात्राओं को इंटरमीडिएट होना अनिवार्य है। चूंकि यह शार्ट टर्म कोर्स स्नातक स्तरीय है। हालांकि इस कोर्स की कोई लिखित परीक्षा नही देनी होगी और न ही कोई प्रोजेक्ट जमा करना होना है। अवधि पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय से छात्रों को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। एडमिशन के लिए छात्रों को ऑन लाइन पंजीकरण कराना होगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर हेल्प लाइन भी जारी कर दी गई है। छात्र 7525048025 पर फोन करके भी पंजीकरण करा सकते हैं।

इस कोर्स के शुरू होने से लोगों को 370 और 35 ए के बारे में जानकारी मिलेगी। कोर्स में कोई भी दाखिला ले सकता है। हमारा मकसद लोगों को शिक्षा देना है।
डॉ. आरबी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, राजर्षि विश्वविद्यालय

आज
5 लखनऊ, 16 जनवरी, 2020

नागरिकता कानून पाठयक्रम की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

लखनऊ, बुधवार। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा नये पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। अब छात्र नागरिकता कानून व धारा ३७० के बारे में पढायी कर सकते हैं कुलपति ने इस पाठ्यक्रम की शुरूआत जनवरी २०२० से की है। लखनऊ केंद्र की समन्वयक डा.निर्लांजलि सिन्हा ने इस आशय की जानकारी देते हुये कहा कि इस जागरूकता पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये इंटरमीडिएट पास अभ्यर्थी प्रवेश ले सकते हैं। विश्वविद्यालय की बेवसाइट से प्रवेश फार्म आनलाईन किये जा सकते हैं इस पाठ्यक्रम की फीस पांच सौ रूपये निर्धारित किया गया।

प्रभात मेरठ 16 जनवरी 2020

यूपीआरटीयू पढ़ाएगी छात्रों को अनुच्छेद 370, 35-ए एवं सीएए पाठ्यक्रम

मेरठ। वर्तमान समय में देश भर में सबसे बडे ज्वलन्त मुद्दों की जानकारी देने के लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में सीएए और अनुच्छेद 370, 35ए पर जागरूकता कार्यक्रम में प्रवेश प्रारम्भ किया गया हैं। जिसके अंतर्गत प्रवेश सत्र जनवरी 2020-2021 के प्रवेश में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम पढ़ाएं जाएंगे। मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र की क्षेत्रीय निदेशिका डॉ. पूनम गर्ग ने बताया कि वर्तमान समय इस पाठ्यक्रम के माध्यम से लोगों में जागरूकता फैलाना है। साथ ही उन्होंने बताया उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में सी.ए.ए और अनुच्छेद 370 धारा 35 पर पाठ्यक्रम शुरू करने वाली भारत की पहली विवि है। मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों में अभ्यर्थीयों के द्वारा ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश होगा।

दैनिक जागरण
वाराणसी, गुरुवार 16 जनवरी 2020
गाजीपुर जागरण
www.jagran.com
दैनिक जागरण वाराणसी, 16 जनवरी 2020 | 3

पीजी कालेज पढ़ाएगा सीएए और धारा 370 का पाठ

जासं,गाजीपुर : सीएए (नागरिकता संशोधन कानून) को लेकर पूरे देश में भ्रम के बीच उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इसका एक सृजनात्मक व सकारात्मक पक्ष लेकर सामने आया है। विश्वविद्यालय ने सीएए, धारा-370 व 35-ए कानून पर एक नया पाठ्यक्रम शुरू किया है। इस विषय पर त्रैमासिक डिप्लोमा कोर्स किया जा सकता है। पीजी कालेज में संचालित राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के केंद्र की ओर से इंटरमीडिएट उत्तीर्ण विद्यार्थियों से आवेदन मांगे गए हैं।

जम्मू कश्मीर से जुड़ी धारा-370 और 35-ए सहित ज्वलंत मुद्दा बन चुकी सीएए को लेकर बहुत से लोगों में अभी भी भ्रांतियां हैं। वह लोग न तो ठीक से इसका मतलब समझ पा रहे हैं और न ही दूसरों को समझा पा रहे हैं। इस नासमझी के कारण सीएए, धारा-370 और 35-ए की गलत व्याख्या की जा रही है। इन कानूनों के बारे में विद्यार्थियों को समझाने व जागरूक करने के लिए राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एक नया पाठ्यक्रम शुरू किया है। इसके माध्यम से विद्यार्थी इन कानूनों की बारीकी से अध्ययन करेंगे।

पीजी कालेज का मुख्य गेट ● जागरण

ऑनलाइन होगा आवेदन- पीजी कालेज में स्थित राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के केंद्र समन्वयक डा. अभिषेक सांकृत्यायन ने बताया कि यह त्रैमासिक डिप्लोमा कोर्स है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसकी मामूली केवल 500 रुपये फीस है।

my city अमर उजाला
शुक्रवार 17.01.2020
मेरठ

राजर्षि टंडन से करें सीएए की पढ़ाई

मेरठ। कश्मीर से अनुच्छेद 370 क्यों हटाया गया। सिटीजन अमेंडमेंट एक्ट, अनुच्छेद 35ए क्या है और इसे कश्मीर से क्यों हटाया गया इन सभी गंभीर विषयों की पढ़ाई अब युवा करे सकेंगे। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि इस सत्र से इन तीनों विषयों पर पाठ्यक्रम प्रारंभ कर रहा है। विवि देश का पहला ऐसा विवि है जो ये पाठ्यक्रम प्रारंभ कर रहा है। विवि इस सत्र से 101 नए पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। नए पाठ्यक्रमों की जानकारी विवि के इस्माईल नेशनल डिग्री कॉलेज मेरठ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में दी गई। क्षेत्रीय निदेशिका डॉ. पूनम गर्ग ने बताया कि इस सत्र से तमाम नए पाठ्यक्रम शुरू हो रहे हैं। सभी में प्रवेश शुरू हो चुके हैं। सीएए, अनुच्छेद 370, अनुच्छेद 35ए पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। प्रवेश की अर्हता बारहवीं है।

जनसंदेश टाइम्स
लखनऊ, शुक्रवार 17 जनवरी, 2020
परख सच की
www.jansandeshtimes.net
जनसंदेश टाइम्स लखनऊ, शुक्रवार, 17 जनवरी, 2020 3
लखनऊ मार्ग

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने शुरु किया नया कोर्स

लखनऊ। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने नये जागरूकता पाठ्यक्रम की शुरुआत की है।अब छात्र नागरिकता कानून व धारा 370 के बारे में भी पढ़ाई कर सकते हैं। यूनिवर्सिटी ने जनवरी 2020 से इस जागरूकता पाठ्यक्रम को लागू किया है। इसमें इंटर पास छात्र भी प्रवेश ले सकते है। प्रवेश के लिए विश्वविद्यलय की वेबसाइट से सारी जानकारी मिल जाएगी। इस पाठ्यक्रम की अवधि तीन महीने एवं फीस 500 रुपये है। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय पहला विश्विद्यालय है जिसने उपरोक्त विषयो पर पाठ्यक्रम लागू किया है। यह जानकारी क्षेत्रीय निदेशक डॉ नीरांजली सिन्हा ने दी है।

हिन्दुस्तान
मेरठ LIVE
कैंपस

मुख्य परीक्षा के साथ बैक पेपर के फॉर्म ऑनलाइन....पेज 02
सिटी

ट्रैफिक नियम अपनाएं जीवन को सुरक्षित बनाएं....पेज 03
बॉलीवुड कॉर्नर

रंगोली को भाए कंगना के बागी तेवर ....पेज 04
मेरठ LIVE युवा
गुरुवार, 17 जनवरी 2020
हिन्दुस्तान 02

कोर्स में पढ़िए अनुच्छेद 370, 35-ए और सीएए

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए को खत्म करने और नागरिकता संशोधित कानून (सीएए) के निर्णयों के राजनीतिक तूफान के बीच ये तीन फैसले विवि के कोर्स का हिस्सा बन गए हैं। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने सीएए और अनुच्छेद 370 एवं धारा 35-ए के सर्टिफिकेट कोर्स शुरू कर दिए हैं। इन कोर्स में जनवरी सत्र में प्रवेश होंगे। 12 वीं पास कोई भी व्यक्ति या छात्र इन कोर्स में प्रवेश ले सकता है। उक्त निर्णयों पर समाज के कुछ वर्गों में जारी भ्रांतियों को दूर करते हुए जागरुकता लाने को यह कोर्स शुरू किए गए हैं।

केंद्र सरकार के ये तीनों ही निर्णय बीते कुछ महीनों से सर्वाधिक चर्चा में हैं। इस वक्त सीएए का देश के विभिन्न राज्य एवं कुछ विश्वविद्यालयों में विरोध कर रहे हैं। ये सभी मामले सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुके हैं। लेकिन लोगों को जागरुकता लाने के लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद ने इन फैसलों पर नए कोर्स शुरू किए हैं। विवि की क्षेत्रीय निदेशक डॉ.पूनम गर्ग के अनुसार इन कोर्स में ऑनलाइन प्रवेश हो गया है। ये सर्टिफिकेट कोर्स होंगे एवं 12 वीं उत्तीर्ण स्टूडेंट प्रवेश पा सकते हैं। पूनम गर्ग के अनुसार कोर्स का उद्देश्य जागरुकता फैलाना है। कोर्स तीन महीने के होंगे। छात्र अधिक जानकारी राजर्षि टंडन मुक्त विवि की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

जनवरी से प्रवेश

- राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने जागरुकता कोर्स शुरू किए
- प्रदेश का पहला विवि जिसमें उक्त बिंदुओं पर कोर्स की शुरुआत हुई

मेरठ, गुरुवार, 17 जनवरी 2020
जागरण सिटी

दैनिक जागरण
मेरठ
www.jagran.com

युवा जागरण
दैनिक जागरण
मेरठ, 17 जनवरी 2020

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में सीएए और अनुच्छेद 370 के होंगे कोर्स

जागरण संवाददाता, मेरठ : देश में पहली बार नागरिक संशोधन अधिनियम (सीएए) और अनुच्छेद 370 धारा 35ए को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है। इसकी शुरुआत उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने की है। जिसमें प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो रही है। मेरठ में राजर्षि टंडन का क्षेत्रीय कार्यालय इस्माईल नेशनल पीजी कॉलेज में है।

राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय में जनवरी 2020-2021 के प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय में करीब 101 पाठ्यक्रम संचालित हैं। पहली बार नए पाठ्यक्रम में सीएए, अनुच्छेद 370 धारा 35 ए में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया गया है। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की क्षेत्रीय निदेशिका डा. पूनम गर्ग ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों में 12वीं पास कोई भी छात्र प्रवेश ले सकता है। प्रवेश के लिए कोई उम्र सीमा नहीं है। यानी किसी भी उम्र के छात्र इस कोर्स को कर सकते हैं। यह पहली बार है कि विश्वविद्यालय स्तर पर किसी ज्वलंत मुद्दे को कोर्स का हिस्सा बनाया गया है।

मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
18 जनवरी, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी जोरों पर

राष्ट्र निर्माण में समाज वैज्ञानिकों की भूमिका को लेकर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद आईसीएसएसआर एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 2–4 फरवरी 2020 को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया होना **है** । दिनांक 18 जनवरी, 2020 को सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा बैठक कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई । कुलपति प्रोफेसर सिंह ने तैयारियों की समीक्षा की। इस सम्मेलन में देशभर के विविध क्षेत्रों के ख्याति लब्ध विद्वान प्रतिभाग करेंगे एवं अपने विचार प्रस्तुत करेंगे । सम्मेलन में राष्ट्र के समक्ष उपस्थित विभिन्न मुद्दों एवं चुनौतियों से संबंधित 10 विषयों **पर** विभिन्न विद्वत जन अपने विचार प्रस्तुत करेंगे । सम्मेलन में 200 से अधिक शोध पत्र पढ़े जाएंगे । देश के विभिन्न राज्यों से आचार्य गण एवं शोध छात्र तथा वैज्ञानिक इस सम्मेलन में हिस्सा लेंगे ।

माननीय कुलपति
प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

समीक्षा बैठक

बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

आयोजन सचिव एवं समन्वयक प्रोफेसर जी एस शुक्ला ने बताया कि इस सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देशन में विभिन्न समितियों का गठन किया गया है । सम्मेलन की सफलता के लिए टेक्निकल सेशन कमेटी, डायस कमेटी, सर्टिफिकेट कमेटी, एब्स्ट्रेक्ट प्रिंटिंग और शॉर्टलिस्टिंग कमेटी तथा रजिस्ट्रेशन कमेटी का गठन किया गया है। इसके साथ ही यातायात कमेटी, भोजन एवं स्वच्छता कमेटी, मीडिया कमेटी तथा प्रतिभागियों के ठहरने के लिए कमेटी गठित की गई है। बैठक में प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल, डॉ आर पी एस यादव, डॉ आशुतोष गुप्ता, डॉक्टर एस कुमार, डॉ विनोद कुमार गुप्त, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ रामजन्म मौर्य एवं डॉ सतीश जैसल आदि उपस्थित रहे। आज कोर कमेटी की समीक्षा बैठक में कुलपति प्रोफेसर सिंह ने तैयारियों की समीक्षा की तथा निर्देशित किया कि सभी तैयारियां समय के साथ पूर्ण की जाएं।

बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

दैनिक जागरण
प्रयागराज, रविवार 19 जनवरी 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 24+2+4=30
www.jagran.com
अब शुरू होगा रिजल्ट जारी करने का दौर 8
संघ किसी का रिमोट कंट्रोल नहीं : मोहन भागवत 13
6 दैनिक जागरण प्रयागराज, 19 जनवरी 2020 प्रयागराज जागरण www.jagran.com

राष्ट्रीय सम्मेलन की हुई समीक्षा

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में दो से चार फरवरी तक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। मुविवि एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की ओर से आयोजित होने वाले सम्मेलन में देशभर के विद्वान जुटेंगे। 200 से अधिक शोध पत्र पढ़े जाएंगे। शनिवार को तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने दी।

आयोजन सचिव एवं समन्वयक प्रो. जीएस शुक्ल ने बताया कि सफल आयोजन के लिए टेक्निकल सेशन, डायस, सर्टिफिकेट, एब्स्ट्रेक्ट प्रिंटिंग और शॉर्ट लिस्टिंग, रजिस्ट्रेशन, यातायात, भोजन एवं स्वच्छता, मीडिया तथा प्रतिभागियों के ठहराव समेत विभिन्न समितियों का गठन किया गया है।

बैठक में प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. एस कुमार, डॉ. विनोद कुमार गुप्त, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. रामजन्म मौर्य एवं डॉ. सतीश जैसल आदि रहे।

SUNDAY 19.01.2020
अमर उजाला
अमर उजाला प्रयागराज

मुक्त विवि में राष्ट्रीय सम्मेलन दो से

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन दो से चार फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। इसमें राष्ट्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों एवं चुनौतियों से संबंधित 10 विषयों पर विद्वत जन अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। साथ ही 200 से अधिक शोध पत्र पढ़े जाएंगे। शनिवार को कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की और अफसरों के साथ बैठक करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. एस. कुमार, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव आदि मौजूद रहे।

रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com
09 हिन्दुस्तान सिटी लाइव

राष्ट्रीय सम्मेलन दो फरवरी से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश मुक्त विवि में राष्ट्र निर्माण में वैज्ञानिकों की भूमिका विषय पर तीन दिनी राष्ट्रीय सम्मेलन दो फरवरी से होगा। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को समीक्षा बैठक हुई। बताया कि सम्मेलन में विविध क्षेत्रों के ख्यातिलब्ध विद्वान 200 से अधिक शोध पत्र पढ़ेंगे। समन्वयक प्रो. जीएस शुक्ला ने बताया कि कुलपति के निर्देश पर टेक्निकल सेशन कमेटी, डायस कमेटी, सर्टिफिकेट कमेटी, एब्स्ट्रेक्ट प्रिंटिंग और शॉर्ट लिस्टिंग कमेटी तथा रजिस्ट्रेशन कमेटी बनाई गई है।

प्रदर्शनी से युवाओं को लगन की प्रेरणा

प्रयागराज। रूचीज इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव आर्ट्स में शनिवार को बाला मीतल के कार्यों की प्रदर्शनी लगी। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि. के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी युवा वर्ग को लगन से काम करने की प्रेरणा देती है। डॉ. वीके मिश्र ने प्रदर्शनी की बारीकियों को समझाया। डॉ. हरिश्चंद्र जायसवाल, डॉ. आशीष मीतल रितू सांगल और रुचि मीतल ने विचार रखे।

दैनिक जागरण
प्रयागराज, रविवार 19 जनवरी 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 24+2+4=30
www.jagran.com
अब शुरू होगा रिजल्ट जारी करने का दौर 8
संघ किसी का रिमोट कंट्रोल नहीं : मोहन भागवत 13
www.jagran.com प्रयागराज जागरण प्रयागराज, 19 जनवरी 2020 दैनिक जागरण 11

ढलती उम्र में रचनात्मक क्षमता युवाओं के लिए प्रेरणा

जासं, प्रयागराज : रूचीज इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स में शनिवार को वरिष्ठ नागरिक बाला मित्तल के कार्यों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 87 वर्ष की इस उम्र में ऐसी अद्भुत रचनात्मक क्षमता वास्तव में आज के युवा वर्ग को लगन से कार्य करने की प्रेरणा देती है।

रूचीज इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स में शनिवार को प्रदर्शनी का उद्घाटन करते मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, बाला मित्तल, समीर सांगल (दाएं से) ● जागरण

प्रो. सिंह ने कहा कि जिस प्रकार बाला जी पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ खाली समय का सदुपयोग निटिंग, क्रोशिया तथा सुंदर कढ़ाइयों से गृह साज-सज्जा की कलाकृतियों को दर्शाया है। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. वीके मिश्र ने प्रदर्शनी की विशेषताओं एवं बारीकियों से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि डॉ. हरीश चंद्र जायसवाल ने प्रदर्शनी में लगे कार्यों को देख वृद्धावस्था में भी इतनी लगन, निष्ठा एवं बारीकी से तैयार किए गए कलाकृतियों को दृढ़ कार्य क्षमता का परिचायक बताया। बाला जी के पुत्र डॉ. आशीष ने बताया कि मां ने वर्ष 1951 में अर्थशास्त्र विषय से परास्नातक की पढ़ाई पूरी की थी। शादी के बाद महिलाओं को प्रशिक्षण देने के लिए कई जिलों में वेलफेयर सेंटर स्थापित किए गए। संस्थान के निदेशक समीर सांगल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान डॉ. माधवी, पूर्णिमा सिंह, कर्नल नाथ, स्वाति चौधरी, संजय काला, मनीष कपूर, डॉ. दीपाली ललोरिया, डॉ. अंजू गुप्ता, समृत सांगल, अमोद, स्मृति, अवनि, देवेंद्र पांडेय आदि लोग उपस्थित रहे।

रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

माघ मेला में तुलसी त्रिवेणी चौराहा स्थित ब्रज अकादमी वृंदावन के शिविर में शनिवार को संगोष्ठी आयोजित की गई। ● हिन्दुस्तान

रोजगार से जुड़े आधुनिक शिक्षा : कुलपति

प्रयागराज। माघ मेला में तुलसी त्रिवेणी चौराहा स्थित ब्रज अकादमी वृंदावन शिविर में संगोष्ठी आयोजित की गयी। इस अवसर पर वक्ताओं ने आधुनिक शिक्षा की अवधारणा विषय पर विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि राजर्षि टंडन मुविवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर सिंह ने कहा कि आधुनिक शिक्षा को रोजगार से जोड़ना जरूरी है। डॉ. चंद्र विजय चतुर्वेदी, डॉ. राकेश हरिप्रिया ने विचार रखे। रमाशंकर शुक्ल, टीएन दुबे, डॉ. रामजी मिश्र, रमेश शुक्ल, अशोक शुक्ल मौजूद रहे।

दैनिक जागरण
Prayagraj Sunday 19 January 2020
inext
INEXT CITYLIGHTS/CHAI-TIME

87 वर्ष की उम्र में भी अदभुत रचनात्मक क्षमता

PICS: DAINIK JAGRAN-I NEXT

● सीनियर सिटीजन श्रीमती बाला मित्तल की प्रदर्शनी ने किया अट्रैक्ट.

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (18 Jan): रुचीज इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स कैंपस में शनिवार को सीनियर सिटीजन श्रीमती बाला मित्तल द्वारा तैयार क्रिएटिव वर्क की प्रदर्शनी लगाई गई. इनॉगरेशन यूपीआरटीओयू के वीसी प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने किया. 87 वर्ष की श्रीमती बाला मीतल ने पारिवारिक जिम्मेदारियों के बाद मिले खाली टाइम में नीटिंग, क्रोशिया व कढ़ाई से डेकोरेटिव आइटम तैयार किये. इसकी एग्जीबिशन शनिवार को लगायी गयी थी.

युवाओं के लिए प्रेरणा हैं श्रीमती बाला

चीफ गेस्ट कुलपति प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह ने कहा कि सीनियर सिटीजन श्रीमती बाला मित्तल द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी उनकी कार्य करने की क्षमता एवं रचनात्मक ऊर्जा को प्रदर्शित करती है. जो उन लोगों और युवाओं के लिए प्रेरणा हैं. एसीएमओ डा. वीके मिश्रा ने चीफ गेस्ट प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह का वेलकम किया. स्पेशल गेस्ट डा. हरीश चन्द्र जायसवाल, डा. आशीष मित्तल, समीर सांगल ने भी अपनी बात रखी. इस अवसर पर डॉ. रुचि मित्तल, डा. माधवी मित्तल, पूर्णिमा सिंह, कर्नल नाथ, स्वाति चौधरी, संजय काला, मनीष कपूर, डॉ. दीपाली ललोरिया, डा. अंजू गुप्ता आदि मौजूद रहे.

SUNDAY | 19.01.2020
अमर उजाला

चेतनावाद से जुड़ी शिक्षा ही अर्थपूर्ण: प्रो. कामेश्वर

प्रयागराज। माघ मेला के तुलसी -त्रिवेणी मार्ग चौराहा स्थित ब्रज अकादमी वृंदावन शिविर में शनिवार को आधुनिक शिक्षा की अवधारणा विषयक संगोष्ठी हुई। इसमें राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर सिंह ने कहा कि आधुनिक शिक्षा को चेतनावाद से जोड़कर ही अर्थपूर्ण बनाया जा सकता है। आधुनिक शिक्षा को रोजगार परक बनाने की आवश्यकता पर उन्होंने जोर दिया। अध्यक्षता डॉ. विभुराम मिश्र ने की। इस मौके पर पर ब्रज अकादमी की सचिव डॉ. राकेश हरिप्रिया, डॉ. चंद्र विजय चतुर्वेदी, रमाशंकर शुक्ल, डॉ. टीएन दुबे, डॉ. रामजी पांडेय, रमेश शुक्ल, अशोक शुक्ल, शेषमणि त्रिपाठी, उमा पांडेय, अवधेश नारायण शुक्ला आदि उपस्थित थे।

आज
विज्ञान - तकनीकमें लैंगिक असमानता
दीपिका के कदम : बिजनेसकी बैंड बजी

प्रेरणा का प्रतीक हैं बाला मीतल-प्रो.कामेश्वरनाथ

रुचीज इंस्टीट्यूट आफ क्रियेटिव आर्ट्स प्रांगण में वरिष्ठ नागरिक बाला मीतल के कार्यों की शनिवार को प्रदर्शनी लगायी गयी। इसका उदघाटन मुख्य अतिथि उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.कामेश्वरनाथ सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ८७ वर्ष की इस उम्र में ऐसी अदभुत रचनात्मक क्षमता वास्तव में आज के युवा वर्ग को लगन से कार्य करने की प्रेरणा देता है। जिस प्रकार से उन्होंने पारिवारिक समस्त जिम्मेदारियों के साथ ही अपने खाली समय का सदुपयोग निटिंग, क्रोशिया तथा हाथ की सुन्दर कढ़ाई से गृह साज-सज्जा की अदभुत कलाकृतियों को दर्शाया है, वह उनकी कार्य करने की क्षमता एवं रचनात्मक ऊर्जा को व्यक्त करता है। मीतलजी इस युग में हम सभी के लिए मार्गदर्शिका एवं प्रेरणा का प्रतीक हैं। इससे पूर्व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा.वीके सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए प्रदर्शनी की विशेषताओं एवं बारीकियों से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि डा.हरिचन्द्र जायसवाल एवं डा.आशीष मीतल ने भी विचार व्यक्त किये। अंत में संस्थान के निदेशक समीर सांगल ने उपस्थितजनों का स्वागत किया। इस अवसर पर डा.रुचि मीतल, डा.माधवी मीतल, पूर्णिमा सिंह, कर्नल नाथ, स्वाति चौधरी, संजय काला, मनीष कपूर, डा.दीपाली ललोरिया, डा.अंजू गुप्ता, समृत सांगल, आमोद, अवनि, स्मृति, देवेन्द्र पांडेय, सुनील, प्रज्ञा, लिलेश, सरिता, निकिता, राधेश्याम, प्रदीप सिंह, नीरज एवं रामसजीवन समेत अन्य कई लोग शामिल रहे।

- NEWS18UTTARPRADESH
- LAST UPDATED: JANUARY 18, 2020, 12:35 PM IST
- रवि पांडेय

वाराणसी में इस यूनिवर्सिटी ने CAA पर शुरू किया कोर्स, मिलेगा डिप्लोमा सर्टिफिकेट

वाराणसी. नागरिकता संशोधन कानून (CAA) को लेकर जहां देश की राजधानी दिल्ली (Delhi) में जामिया (Jamia) और शाहीन बाग में अब भी विरोध-प्रदर्शन हो रहा है, वहीं उत्तर प्रदेश (Uttar Pradesh) में एक ऐसा यूनिवर्सिटी भी है जिसने इस कानून को कोर्स की शक्ल दे दी है. यूनिवर्सिटी से बाकायदा इसमें डिप्लोमा की डिग्री भी दी जाएगी. वाराणसी (Varanasi) में उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (UPRTOU) ने सीएए पर कोर्स शुरू किया है. इसके तहत इस कानून में जितनी बातें हैं, इसे विस्तार से समझाया और पढ़ाया जाएगा.

कोर्स को लेकर छात्रों में उत्साह

वहीं इस कोर्स को लेकर वाराणसी के प्रमुख विश्वविद्यालय के छात्रों में काफी उत्साह है. महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के छात्र सोनू शुक्ला और किशन यादव का कहना है कि इस मुद्दे पर अफवाहों को लेकर काफी विरोध हो रहा है. ऐसे में जब कोई छात्र या अन्य व्यक्ति इस कोर्स को करने के बाद सर्टिफिकेट लेकर सामने वाले को समझायेगा तो उसे विश्वास होगा. क्योंकि सामने वाला व्यक्ति ये बात समझेगा कि उसके हाथ में सर्टिफिकेट है, इसलिए ये इस विषय को ज्यादा जानता होगा.

यूनिवर्सिटी के समन्वयक प्रोफेसर सीके सिंह बताते हैं कि इसमें 3 महीने का कोर्स होगा. इसके बाद इसका बाकायदा सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि इस पाठ्यक्रम के कोर्स जनवरी से ही शुरू हो गए हैं और इसके ऑनलाइन फॉर्म भी मिलने लगे हैं.

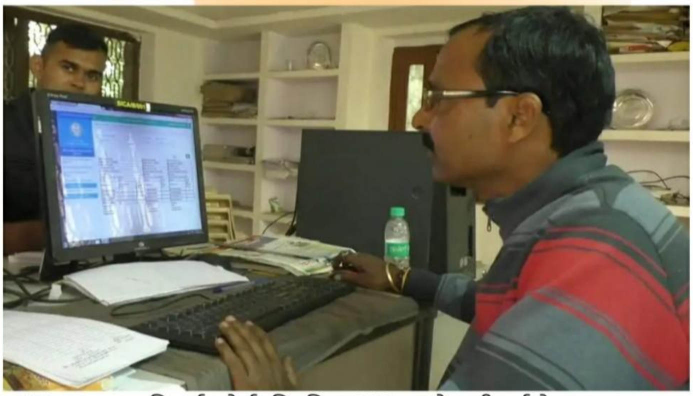

CAA पर शुरू की गई कोर्स की फीस 500 रुपये रखी गई है

3 महीने का कोर्स और 500 रुपये फीस

यूनिवर्सिटी के समन्वयक प्रोफेसर सीके सिंह बताते हैं कि इसमें तीन महीने का कोर्स होगा. इसके बाद इसका बाकायदा सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि इस पाठ्यक्रम का कोर्स जनवरी से ही शुरू हो गया है और इसके ऑनलाइन फॉर्म भी मिलने लगे हैं. इस पाठ्यक्रम में भारतीय नागरिकता कानून के प्रावधान और उसके समाधान को पढ़ाया जाएगा. प्रोफेसर सिंह कहते हैं कि इस कोर्स की फीस मात्र 500 रूपये रखी गई है, जो फॉर्म चार्ज के रूप में लिया जाएगा. इस कोर्स को विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले 200 सेंटर में शुरू कर दिया गया है.

मकसद है अफवाह दूर करना

यूनिवर्सिटी के अनुसार इस कोर्स को शुरू करने का एकमात्र मकसद सीएए से जुड़े उन अफवाहों को दूर करना और उसे फैलाने वालों को सही तस्वीर दिखाना है, क्योंकि जब इसके बारे में ज्यादा जानकारी होगी और इसका सर्टिफिकेट मिलेगा तो लोगों को इस पर विश्वास होगा.

प्रस्तुति : डॉ प्रभात चंद्र मिश्र

वाराणसी, सोमवार
20 जनवरी 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 24

दैनिक जागरण

www.jagran.com

उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

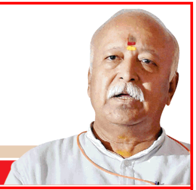

हाफ कंट्री रेस में हंगामा, तोड़फोड़ 10 | मुस्लिमों को शाखाओं में आने का न्योता 14

राजर्षि टंडन मुक्त विवि | सीएए, अनुच्छेद-370 व अनुच्छेद 35 'ए' पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

'सीएए' का क्रेज, दाखिले की मची होड़

जासं, वाराणसी : नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के भ्रम को दूर करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। वहीं उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (प्रयागराज) ने सीएए, अनुच्छेद-370 व अनुच्छेद 35 'ए' पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया है। तीन माह के इस सर्टिफिकेट कोर्स में दाखिले का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। वेबसाइट पर आवेदन अपलोड होते ही दाखिले के लिए रजिस्ट्रेशन कराने की होड़ मच गई है। सिर्फ एक सप्ताह में करीब 100 अभ्यर्थी दखिले के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। इस माह के अंत तक और भी पंजीकरण होने की संभावना जताई जा रही है।

क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी के क्षेत्रीय समन्वयक डा. सीके सिंह ने बताया कि सूबे का यह पहला विश्वविद्यालय है जो ज्वलंत बिंदुओं का कोई कोर्स शुरू किया है। विद्यापरिषद से इसकी स्वीकृति मिलने के बाद जनवरी सत्र में दाखिले के लिए वेबसाइट पर आवेदन अपलोड कर दिया गया है। विवि की वेबसाइट पर पाठ्य सामग्री भी मौजूद है। कहा कि वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र से वाराणसी के अलावा चंदौली, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, मीरजापुर व सोनभद्र के 200 केंद्रों संचालित हो रहे हैं। अभ्यर्थी किसी भी केंद्र से सर्टिफिकेट कोर्स में पंजीकरण करा सकता है। दाखिले के लिए इंटर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। वहीं अधिकतम कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है।

राम छाटपार शिल्पन्यास भारत की ओर से रेत में आकृति की खोज में शामिल विद्यार्थी ● जागरण

आइपी विजया के पास हियुवा की ओर से सीएए के समर्थन में हस्ताक्षर करते लोग ● जागरण

सीएए के समर्थन में हस्ताक्षर

वाराणसी : नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के समर्थन में हिंदू युवा वाहिनी के पं. मदन मोहन मालवीय मंडल की ओर से रविवार को हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। आइपी विजया स्थित विवेकानंद स्मारक के पास से वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष पांडेय के नेतृत्व में हस्ताक्षर अभियान शुरू हुआ। सभी से सीएए के पक्ष में समर्थन मांगा गया। अभियान में अंबरीश सिंह भोला, मनीष मिश्रा, जगजीत कुशवाहा, अजय सिंह, सतीश मौर्य, गुरु प्रसाद जायसवाल, गौरव तिवारी, दिनेश त्रिपाठी, विजय वर्मा, अभिषेक पांडेय आदि थे। सीएए को लेकर लोक जागरण मंच द्वारा प्रकाशित पंपलेट को रविवार को भी कई क्षेत्रों में वितरण किया गया ताकि लोगों का भ्रम दूर हो सके।

लखनऊ, सोमवार
20 जनवरी 2020
नगर संस्करण

दैनिक जागरण

www.jagran.com

अब बुनकरों पर भी सरकार का फोकस 10 | संघ प्रमुख ने मुसलमानों को दिया शाखाओं में आने का न्योता 12

'सीएए' का क्रेज, दाखिले की मची होड़

जासं, वाराणसी : सीएए के भ्रम को दूर करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। वहीं उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (प्रयागराज) ने सीएए, अनुच्छेद-370 व अनुच्छेद 35 'ए' पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया है। तीन माह के सर्टिफिकेट कोर्स में दाखिले का क्रेज सिर चढ़ कर बोल रहा है। वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराने की होड़ मच गई है। सिर्फ एक सप्ताह में करीब 100 अभ्यर्थी दखिले के लिए पंजीकरण करा चुके हैं।

प्रयागराज, सोमवार
20 जनवरी 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 20

दैनिक जागरण

www.jagran.com

कुंभ की युक्ति दिलाएगी गंगा को प्रदूषण से मुक्ति 11 | छह सालों में 2838 पाकिस्तानियों को मिली नागरिकता 13

यूपीआरटीओयू के 'सीएए' का क्रेज, दाखिले की मची होड़

जासं, वाराणसी : नागरिक संशोधन कानून (सीएए) के भ्रम को दूर करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। वहीं उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (प्रयागराज) ने सीएए, अनुच्छेद-370 व अनुच्छेद 35 'ए' पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया है। तीन माह के सर्टिफिकेट कोर्स में दाखिले का क्रेज सिर चढ़ कर बोल रहा है। वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराने की होड़ मच गई है। सिर्फ एक सप्ताह में करीब 100 अभ्यर्थी दखिले के लिए पंजीकरण करा चुके हैं।

क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी के क्षेत्रीय समन्वयक डा. सीके सिंह ने बताया कि सूबे का यह पहला विश्वविद्यालय है जो ज्वलंत बिंदुओं को कोई कोर्स शुरू किया है। विद्यापरिषद से इसकी स्वीकृति मिलने के बाद जनवरी सत्र में दाखिले के लिए, वेबसाइट पर आवेदन अपलोड कर दिया गया है। विवि की वेबसाइट पर पाठ्य सामग्री भी मौजूद है। कहा कि वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र से वाराणसी के अलावा चंदौली, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, मीरजापुर व सोनभद्र के 200 केंद्रों संचालित हो रहे हैं।

3

3-month course on CAA, Article 370 at UPRTOU

TIMES NEWS NETWORK

Representational photo

CAMPUS BUZZ

Allahabad: The Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU), the only open university of the state, has launched an awareness campaign on the Citizenship Amendment Act and Article 370. These two topics will be part of the syllabus of a new three-month certificate course.

"The new course came into force on January 10 and the admissions have already begun," said Prabhat Mishra, public relation officer of UPRTOU.

"The fee for the course is Rs 700. There is no limit to the number of students taking admission," he added.

Vice chancellor of the open university, professor Kameshwar Nath Singh, said, "No institution can remain aloof from the issues and policies of the country. There is immediate need to remove the fog of misconceptions surrounding the two burring issues—CAA and Article 370. It is the moral duty of the university to spread awareness among students and others in order to clear the fog."

"Anyone who has completed intermediate, can get enrolled for the awareness course through online registration and can complete the same in three months along with the main course they are pursuing," added Singh.

"UPRTOU runs courses based on the current issues of society. Students will be given assignments during the course, on the completion of which, certificates will be distributed to them," informed the VC.

"The CAA syllabus has been divided into five parts while the one on Article 370 and 35A has six parts. The course explains the complete process and importance of the abrogation of Article 370 and the logic behind bringing the Citizenship Amendment Act," he said.

In Prayagraj, varsity offers 3-month course on CAA

ASAD REHMAN
LUCKNOW, JANUARY 21

THE UTTAR Pradesh Rajarshi Tandon Open University in Prayagraj has introduced a three month certificate course on the Citizenship (Amendment) Act that intends to spread awareness on the new law. The course has been named 'Awareness Programme in Citizenship (Amendment) Act (APCAA)'.

The university's vice-chancellor Kameshwar Nath Singh said several students had already enrolled in the course, started this January, which "intends to spread awareness about the CAA."

"The CAA is a public issue and a law of the country. The course intends to make people aware about it. Students will be made aware about the need for the Act, its impact on national unity and integration... Several students have started taking admission in the course on CAA," Singh said.

The Indian EXPRESS

In Prayagraj, varsity offers 3-month course on CAA

The course has been named 'Awareness Programme in Citizenship (Amendment) Act (APCAA)'.

Written By Asad Rehman | Lucknow |
Updated: January 22, 2020 6:02:42 am

The university's vice-chancellor Kameshwar Nath Singh said several students had already enrolled in the course, started this January, which "intends to spread awareness about the CAA." (File)

The Indian EXPRESS

THE UTTAR Pradesh Rajarshi Tandon Open University in Prayagraj has introduced a three month certificate course on the Citizenship (Amendment) Act that intends to spread awareness on the new law. The course has been named 'Awareness Programme in Citizenship (Amendment) Act (APCAA)'.

The Indian EXPRESS

The university's vice-chancellor Kameshwar Nath Singh said several students had already enrolled in the course, started this January, which "intends to spread awareness about the CAA."

"The CAA is a public issue and a law of the country. The course intends to make people aware about it. Students will be made aware about the need for the Act, its impact on national unity and integration... Several students have started taking admission in the course on CAA," Singh said.

READ IN APP

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

21 जनवरी, 2020

मुविवि के माघ मेला क्षेत्रा स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का शुभारम्भ

उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का शुभारंभ मंगलवार 21 जनवरी 2020को कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के कर कमलों द्वारा हुआ।

माघ मेला क्षेत्र स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का शुभारम्भ करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

दिनांक 21 जनवरी, 2020 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। परेड ग्राउंड लाल सड़क पर स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में लगी जागरूकता प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह जी ने किया। इस अवसर पर निःशुल्क प्रवेश विवरणिका तथा विश्वविद्यालय कैलेंडर का वितरण किया गया। इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर सिंह का स्वागत करते हुए दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ० अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने कहा कि विश्वविद्यालय मेला क्षेत्र में निरंतर इस तरह के जागरूकता शिविर का आयोजन करता रहता है। उन्होंने कहा कि इस बार जनवरी सत्र में नागरिकता संशोधन अधिनियम कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया जाएगा। विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी मेला क्षेत्र में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। समारोह में कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्त, वित्त अधिकारी श्री ए के सिंह, डॉ0 आरपीएस यादव, डॉ0 एस कुमार, डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ0 प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ के प्रभारी, डॉ0 अनिल सिंह भदौरिया तथा मंचासीन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी, वित्त अधिकारी, श्री ए0के0 सिंह एवं कुलसचिव, डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता।

माला पहनाकर माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी का स्वागत करते हुए निदेशक, डॉ0 आर.पी.एस. यादव जी।

कार्यक्रम में अपने–अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ0 आर.पी.एस. यादव एवं कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

शैक्षिक कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए शिविर का आयोजन : प्रो0कामेश्वर नाथ सिंह

जागरूकता प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि इस प्रदर्शनी का लाभ मेला क्षेत्र में आने वाले लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इस शिविर का आयोजन किया गया है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों तक उच्च शिक्षा को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से नागरिकता संशोधन अधिनियम तथा जम्मू और कश्मीर पर 3 महीने का जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। पूरे उत्तर प्रदेश में इन कार्यक्रमों का लाभ जनमानस को मिल रहा है। मेला क्षेत्र में लगे शिविर के माध्यम से इन दोनों कार्यक्रमों के बारे में लोगों को जागरूकता प्रदान की जाएगी।

माघ मेला क्षेत्र स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर मे उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय
दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर
माघ मेला , प्रयागराज

माघ मेला क्षेत्र स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर मु उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

हिन्दी दैनिक
माघ मेला 2020
इलाहाबाद एक्सप्रेस
वर्ष : 10 अंक : 333 प्रयागराज, बुधवार 22 जनवरी 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया
सच का आधार ...

मुक्त विश्वविद्यालय ने सीएए की जागरूकता के लिए माघ मेला में लगाया शिविर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। परेड ग्राउंड लाल सड़क पर स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में लगी जागरूकता प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि इस प्रदर्शनी का लाभ मेला क्षेत्र में आने वाले लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इस शिविर का आयोजन किया गया है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों तक उच्च शिक्षा को

पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से नागरिकता संशोधन अधिनियम तथा जम्मू और कश्मीर पर 3 महीने का जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। पूरे उत्तर प्रदेश में इन कार्यक्रमों का लाभ जनमानस को मिल रहा है। मेला क्षेत्र में लगे शिविर के माध्यम से इन दोनों कार्यक्रमों के बारे में लोगों को जागरूकता प्रदान की जाएगी।इस अवसर पर निःशुल्क प्रवेश विवरणिका तथा विश्वविद्यालय कैलेंडर का वितरण किया गया।इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर सिंह का स्वागत करते हुए दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने कहा कि विश्वविद्यालय मेला क्षेत्र में निरंतर इस तरह के जागरूकता शिविर का आयोजन करता रहता है। उन्होंने कहा कि इस बार जनवरी सत्र में नागरिकता संशोधन अधिनियम कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया जाएगा। विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी मेला क्षेत्र में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। समारोह में कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्त, वित्त अधिकारी श्री ए के सिंह, डॉ आरपीएस यादव, डॉक्टर एस कुमार, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण
...तीरथ-पतिहि आव सब कोई

मुक्त विवि ने सीएए के बारे में दी जानकारी

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में जागरूकता प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस मौके पर लोगों को सीएए की जानकारी दी गई। प्रो. केएन सिंह ने कहा प्रदर्शनी का लाभ मेला क्षेत्र में आने वाले लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से नागरिकता संशोधन कानून तथा जम्मू और कश्मीर पर तीन महीने का जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू किया है। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने भी अपने विचार रखे। कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्त, एके सिंह, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ. एस कुमार, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र आदि रहे।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
वर्ष : 05 अंक : 35 प्रयागराज, शुक्रवार, 24 जनवरी 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08 मूल्य : 1/ रुपया

मुक्त विश्वविद्यालय ने सीएए की जागरूकता के लिए माघ मेला में लगाया शिविर

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा

जागरूकता शिविर का उद्घाटन मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। परेड ग्राउंड लाल सड़क पर स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में लगी जागरूकता प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि इस प्रदर्शनी का लाभ मेला क्षेत्र में आने वाले लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए इस शिविर का आयोजन किया गया है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों तक उच्च शिक्षा को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से नागरिकता संशोधन अधिनियम तथा जम्मू और कश्मीर पर 3 महीने का जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। पूरे उत्तर प्रदेश में इन कार्यक्रमों का लाभ जनमानस को मिल रहा है। मेला क्षेत्र में लगे शिविर के माध्यम से इन दोनों कार्यक्रमों के बारे में लोगों को जागरूकता प्रदान की जाएगी।इस अवसर पर निरूशुल्क प्रवेश विवरणिका तथा विश्वविद्यालय कैलेंडर का वितरण किया गया।इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर सिंह का स्वागत करते हुए दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने कहा कि विश्वविद्यालय मेला क्षेत्र में निरंतर इस तरह के जागरूकता शिविर का आयोजन करता रहता है। उन्होंने कहा कि इस बार जनवरी सत्र में नागरिकता संशोधन अधिनियम कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया जाएगा। विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी मेला क्षेत्र में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। समारोह में कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्त, वित्त अधिकारी श्री ए के सिंह, डॉ आरपीएस यादव, डॉक्टर एस कुमार, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

DAILY FROM: AHMEDABAD, CHANDIGARH, DELHI, JAIPUR, KOLKATA, LUCKNOW, MUMBAI, NAGPUR, PUNE, VADODARA

The Indian EXPRESS

THURSDAY, JANUARY 23, 2020, LUCKNOW, CITY, 12 PAGES
JOURNALISM OF COURAGE
SINCE 1932
₹5.00 WWW.INDIANEXPRESS.COM

Open varsity offers course on 'CAA awareness'

ASAD REHMAN
LUCKNOW, JANUARY 22

THE UTTAR Pradesh Rajarshi Tandon Open University in Prayagraj has introduced a three-month certificate course on the Citizenship (Amendment) Act that intends to spread awareness on the new law. The course has been named 'Awareness Programme in Citizenship (Amendment) Act (APCAA)'.

The varsity, which sees an annual enrolment of nearly 75,000 students, is run by the state government for distant education and was started in 1999.

The university's vice-chancellor Kameshwar Nath Singh said several students had already enrolled in the course, started this January, which "intends to spread awareness about the CAA."

"The CAA is a public issue and a law of the country. The course intends to make people aware about it. Students will be made aware about the need for the Act, its impact on national unity and integration and other details of the Act. Several students have started taking admission in the course on CAA," said the V-C.

He added that in the past, a certificate course on Jammu & Kashmir has also been done at the varsity.

"The course on J&K teaches about Article 370, Article 35A. This course had started in July 2019 and has concluded. We have had courses on good governance under this programme in the past," said the V-C.

The minimum qualification for the course introduced this month has been decided to be 10+2 and will be taught by the School of Social Sciences Department in the varsity in Hindi medium, said public relations officer Prabhat Chandra Mishra.

"Students from across the country can apply for the course. The course has been started keeping in mind the current scenario in the country over CAA. The 11 centres of the varsity in the state's different cities are encouraging students to take up the course. The course fee will be Rs 500 and study material will be provided free of cost," added Mishra.

KALINGA TV

Uttar Pradesh open university begins courses on CAA, Article 370

By IANS on January 14, 2020

Prayagraj: The Uttar Pradesh Rajashri Tandon Open University (UPRTOU), the only open university in the state, has decided that the Citizenship Amendment Act and Article 370 will be a part of the syllabus of a new three-month certificate course.
According to Prabhat Mishra, public relation officer of UPRTOU: "The new course has come into force on January 10 and the admissions have already begun. The fee for the course is Rs 700. There is no limit to the number of students taking admission."

The courses will explain to the students the provisions and implication of abrogation of Article 370 and the Citizenship Amendment Act. "It is important for the youth to understand the truth behind the misinformation campaign being run by vested interests," said Mishra.

Vice Chancellor of the Open University, Professor Kameshwar Nath Singh, said: "No institution can remain aloof from the issues and policies of the country. There is immediate need to remove the fog of misconceptions surrounding the two burning issues- CAA and Article 370. It is the moral duty of the university to spread awareness among students and others in order to clear the fog."

He said that the eligibility for the awareness course was intermediate and one can register online for the course. This can be done alongside any other course in the university.

UPRTOU runs courses based on the current issues of society. Students will be given assignments during the course, on the completion of which, certificates will be distributed to them," the Vice Chancellor added.

THE NEW INDIAN EXPRESS

In a first, Prayagraj university introduces three-month course on CAA, Article 370

By Namita Bajpai | Published: 18th January 2020 06:46 PM

LUCKNOW: Amid the ongoing nationwide protests over the amended Citizenship Act, Prayagraj-based UP Rajarshi Tandon Open University has introduced a three-month certificate course to educate people about the CAA, Article 370 and Article 35A and make them aware of the nuances involved.

According to the university's regional director CK Singh, UPRTOU is the first educational institution in the country to take the initiative in a bid to clear the air over the issue. Singh said when so much confusion was being spread over the CAA, this course would help people get a clear perspective of the new law.

The online registration for the session beginning January was already underway.

The next session begins in July and anyone in the country is eligible to get enrolled in the course as UPRTOU is an open university. The admission fee for the course is Rs 500. The university will provide study material. The students will be given assignments based on the study material and evaluated accordingly.

After the completion of the course, the students would be given a certificate. The course, which will be supervised by the regional directorate of UPRTOU at Varanasi, will be run by all 200 centres across UP.

Next session in July

The next session begins in July and anyone in the country is eligible to get enrolled in the course as UPRTOU is an open university. The admission fee for the course is `500. The university will provide study material.

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

23 जनवरी, 2020

कुलपति जी ने किया गोरखपुर में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

nhu n;ky mik&;k; xksj[kiqj
fo'ofo|ky;]
xksj[kiqj
esa
fo'ofo|ky;
ds ijh{kk dsUnz
dk
vkSpd fujh{k.k
djrs gq,
ekuuh; dqyifr
izks0 dkes'oj ukFk flag
th

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसम्बर– 2019 की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। इसी कम में मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षायें आयोजित की जा रही है। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने दिनांक 23 जनवरी, 2020 को दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में विश्वविद्यालय के परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण ठंडी को देखते हुए सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त प्रकाश एवं जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। प्रो0 सिंह ने कक्षवार निरीक्षण किया। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षको की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। कुलपति प्रो0 सिंह की सख्ती से नकलचियों के हौसले पस्त है।

प्रदेश के 69 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थी दो पालियों में प्रात: 8:30 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

23 जनवरी, 2020

सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती पर नमन

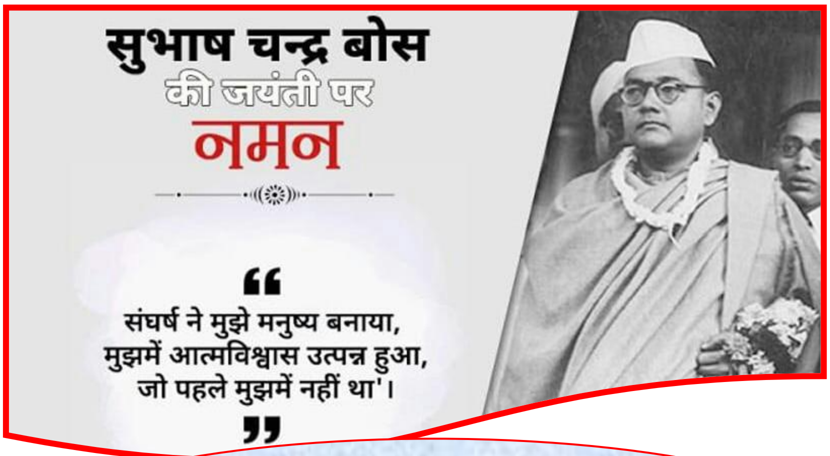

सुभाष चन्द्र बोस जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी, एवं क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारीगण।

अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र

उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में सुभाष चन्द्र बोस जी के जयन्ती पर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर अयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी, अवध विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ0 राजेश सिंह एवं क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

25 जनवरी, 2020

मतदाता जागरुकता अभियान

अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र पर मतदाता जागरुकता अभियान के आयोजन में शामिल छात्र–छात्रायें।

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में मतदाता जागरुकता अभियान का आयोजन

दिनांक 25 जनवरी, 2020 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के तत्वाधान में शत-प्रतिशत मतदाता हेतु जागरूकता अभियान को बड़े स्तर पर चलाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ बी. एन. यस. गर्ल्स डिग्री कालेज जनौरा से प्रारंभ होकर अवध विश्वविद्यालय में सपन्न हुआ। जागरूकता अभियान का प्रारम्भ बी एन यस गर्ल्स डिग्री कालेज के प्रबंधक श्री लाल जी सिंह एवं क्षेत्रीय समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने किया अवध विश्वविद्यालय में कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ राजेश सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओ ने हिस्सा लिया। इसे देशहित एवं लोकतान्त्रिक मूल्यों के विकास में जाति,धर्म एवं क्षेत्र से ऊपर उठकर लोगो को मतदान करने हेतु प्रेरित किया। अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ त्रिपाठी ने सभी को इस अभियान में शामिल होने के लिए आभार व्यक्त किया। इस अभियान में डॉ नीलमणि सिंह,योगेश, श्याम कुमार,डॉ विश्वजीत सिंह,डॉ गोपाल नंदन श्रीवास्तव,डॉ बलकरन, डॉ. वीरेन्द्र पाण्डेय,डॉ चंद्रप्रकाश,डॉ तनु श्री,डॉ नीता मिश्र,डॉ गीता आर्या,डॉ शैलजा सिंह,डॉ पूनम सिंह,डॉ सीमा तिवारी, नीलम यादव,पूनम मौर्या अनीता राय,पूनम मौर्या अंकिता, संगीता,कृतिका , अवंतिका सिंह, आदि ने इस अभियान में अपनी सहभागिता दी।

अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र पर मतदाता जागरुकता अभियान के आयोजन में शामिल छात्र–छात्रायें।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

26 जनवरी, 2020

गणतन्त्र दिवस समारोह

दिनाँक 26 जनवरी, 2020 को विश्वविद्यालय में गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। जिसमें माननीय कुलपति जी, अधिकारी, निदेशक, अध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

ध्वजा रोहण के लिए जाते हुए माननीय कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

ध्वजा रोहण करते हुए माननीय कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

राष्ट्रगान के समय उपस्थित
विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

राष्ट्रहित में सभी का सद्भावनापूर्ण योगदान अनिवार्य–प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

माननीय कुलपति
प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2020 को माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि सामूहिकता एवं समर्पण का भाव ही देश को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का कार्य केवल पठन-पाठन तक ही सीमित नहीं है। हमें राष्ट्रीय चुनौतियों के साथ साथ चलना पड़ेगा, हम उससे निरपेक्ष नहीं रह सकते। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय ने अपने दायित्व बोध से नागरिकता संशोधन अधिनियम कानून को जागरूकता पाठ्यक्रम के रूप में विश्वविद्यालय के सिलेबस में लागू करने का निर्णय लिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने जो मानक स्थापित किया है, आज देश के कई विश्वविद्यालय एवं शिक्षण संस्थान इस पाठ्यक्रम को अपने यहां लागू करने जा रहे हैं। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य समाज से अज्ञानता के अंधकार को मिटाना है।

उन्होंने कहा कि हम चारदीवारी के अंदर ही जवाबदेही और जिम्मेदारी सीमित नहीं रखते। विश्वविद्यालय ने उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गांव का चयन किया गया है, गांव में जो समस्याएं उत्पन्न हो रही है उसको करीब से देखा है तथा उनका समाधान खोजा जा रहा है। इसी तरह प्लास्टिक मुक्त अभियान प्रारंभ करके विश्वविद्यालय को पॉलिथीन के प्रयोग से मुक्त कर दिया गया है। विश्वविद्यालय ने गांवों में कपड़े के थैलों का वितरण करके जागरूकता अभियान को आगे बढ़ाया है।

कुलपति प्रो0 सिंह ने समाज के सभी वर्गो से राष्ट्र उत्थान हेतु यथाशक्ति अपना–अपना योगदान देने की अपील की और कहा कि यह सद्प्रयास राष्ट्र के सर्वोन्मुखी विकास हेतु संजीवनी की तरह काम करेगा। साथ ही उन्होंने यह भी अपील किया कि राष्ट्रहित के सामने व्यक्तिगत हित को वरीयता नही दिया जाना चाहिए। राष्ट्रहित में सभी का सद्भावनापूर्ण योगदान अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद इस देश की सबसे बड़ी उपलब्धि लोकतंत्र है। लोकतंत्र के सामने आज जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद तथा सम्प्रदायवाद के खतरे मंडरा रहे हैं। इन सबसे दूर रहते हुए हमें स्वस्थ लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र को और मजबूत करने की आवश्यकता है। स्वस्थ लोकतंत्र से ही राष्ट्र के स्वस्थ होने की कामना कर सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं परामर्शदाता आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रम की कुछ अन्य झलकियां

माननीय कुलपति
प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीय कुलपति
प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी
एवं वित्त अधिकारी श्री ए.के. सिंह जी।

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीय कुलपति
प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी

गणतंत्र दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के
सदस्यों से मुलाकात करते हुए माननीय
कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

गणतन्त्र दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के साथ माननीय कुलपति

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

गणतन्त्र दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के साथ

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रों पर गणतन्त्र दिवस समारोह

दिनाँक 26 जनवरी, 2020 को विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक एवं कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 निराजंलि सिन्हा तथा डॉ0 अलका वर्मा एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 आर.बी. सिंह एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र झॉसी

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र झॉसी की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक
डॉ0 रेखा त्रिपाठी एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक श्री प्रवीन कुमार एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के प्रभारी निदेशक, प्रो0 आर.पी.एस. यादव, क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक, डॉ0 सी.के. सिंह एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक, डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी एवं कर्मचारीगण

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

वर्ष : 05 अंक : 38 प्रयागराज, मंगलवार, 28 जनवरी 2020 विक्रम संवत 2076 प्रात: संस्करण ईमेल dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08 मूल्य : 1/ रूपया

सामूहिकता एवं समर्पण के भाव से सशक्तहोगा देश : कुलपति

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ध्वजारोहण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि सामूहिकता एवं समर्पण का भाव ही देश को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का कार्य केवल पठन–पाठन तक ही सीमित नहीं है। हमें राष्ट्रीय चुनौतियों के साथ साथ चलना पड़ेगा, हम उससे निरपेक्ष नहीं रह सकते। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय ने अपने दायित्व बोध से नागरिकता संशोधन अधिनियम कानून को जागरूकता पाठ्यक्रम के रूप में विश्वविद्यालय के सिलेबस में लागू करने का निर्णय लिया । प्रोफेसर सिंह ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने जो मानक स्थापित किया है, आज देश के कई विश्वविद्यालय एवं शिक्षण संस्थान इस पाठ्यक्रम को अपने यहां लागू करने जा रहे हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य समाज से अज्ञानता के अंधकार को मिटाना है। उन्होंने कहा कि हम चारदीवारी के अंदर ही जवाबदेही और जिम्मेदारी सीमित नहीं रखते। विश्वविद्यालय ने उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गांव का चयन किया गया है, गांव में जो समस्याएं उत्पन्न हो रही है उसको करीब से देखा है तथा उनका समाधान खोजा जा रहा है। इसी तरह प्लास्टिक मुक्त अभियान प्रारंभ करके विश्वविद्यालय को पॉलिथीन के प्रयोग से मुक्त कर दिया गया है। विश्वविद्यालय ने गांवों में कपड़े के थैलों का वितरण करके जागरूकता अभियान को आगे बढ़ाया है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. ए. के. गुप्त, वित्त अधिकारी ए. के. सिंह तथा विश्व विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

28 जनवरी, 2020

:kstuk cksMZ dh 34oha cSBd

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की योजना बोर्ड की 34वीं बैठक दिनांक 28 जनवरी, 2020 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

योजना बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मा0 कुलपति जी एवं उपस्थित मा0सदस्यगण।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

29 जनवरी, 2020

वित्त समिति की 42वीं बैठक आयोजित

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, वित्त समिति की 42वीं बैठक दिनांक 29 जनवरी, 2020 को अपराह्न 03:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, मा0 कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

बैठक में वित्त विभाग, उ0 प्र0 शासन की ओर से श्री आर.एन. सिंह, अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज, उ0 प्र0 शासन की ओर से डॉ0 राजीव पाण्डेय, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, श्री अजय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 जी. के. द्विवेदी, परीक्षा नियंत्रक, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

वित्त समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित मा0 सदस्यगण।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी